आश्विन शुक्ल - 14 | संवत 2082 | वर्ष - 21 | अंक - 73 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | बेंगलूरु » सोमवार » 06-10-2025 | www.dakshinbharat.com | Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सरकार चलाने की क्षमता खो चुके नीतीश कुमार : तेजस्वी यादव

6 मूल्यों के बिना ज्ञान जड़हीन व ज्ञान के बिना मूल्य शक्तिहीन

7 नेहा कक्कड़ के गाने 'एक तो कम जिंदगानी' पर झूमी एट्रेस श्वेता शर्मा

फर्स्ट टेक

भारत, ब्रिटेन ने हिंद महासागर में बड़ा युद्धाभ्यास शुरू किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन की नौसेनाओं ने समग्र सैन्य संबंधों को बढ़ावा देने के अपने लक्ष्य के अनुरूप पश्चिमी हिंद महासागर में आठ दिवसीय व्यापक युद्धाभ्यास शुरू किया। विमानवाहक पोत एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स के नेतृत्व में ब्रिटेन के 'कैरियर स्ट्राइक ग्रुप' (सीएसजी) को 'कोंकण' युद्धाभ्यास के लिए तैनात किया गया है। भारतीय नौसेना ने कहा कि यह अभ्यास सुरक्षित, खुले और मुक्त समुद्र सुनिश्चित करने की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि है और यह 'भारत-ब्रिटेन विजन 2035' में रेखांकित व्यापक रणनीतिक साझेदारी का उदाहरण प्रस्तुत करेगा। इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य समुद्र में ब्रिटेन और भारतीय नौसेनाओं के बीच संयुक्त समुद्री और हवाई क्षमताओं को बढ़ाना है।

अमेरिकी राज्य अलबामा में बंदूकधारियों ने भीड़ पर गोलीबारी की

मोंटगोमेरी/एपी। अमेरिकी राज्य अलबामा की राजधानी मोंटगोमेरी के भीड़भाड़ वाले इलाके में शनिवार रात दो प्रतिद्वंद्वी गुटों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी की जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। मोंटगोमेरी के पुलिस प्रमुख जेम्स ग्रेबॉयज़ के अनुसार, घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। पुलिस को रात करीब 11:30 बजे घटना की जानकारी मिली। ग्रेबॉयज़ ने पत्रकारों से कहा, इसमें दो पक्ष शामिल थे जो एक-दूसरे पर गोलियां चला रहे थे और उस दौरान भीड़ थी। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने ''गोलियां चलाते वक्त वहां मौजूद अन्य लोगों की परवाह नहीं की।

इजराइल और हमास मिस्र में वार्ता की तैयारी में

काहिरा/एपी। इजराइल और हमास ने सोमवार को मिस्र में अप्रत्यक्ष वार्ता के लिए तैयारी की और इसके साथ ही संभावित युद्ध विराम की उम्मीदें बढ़ने लगी हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इस सप्ताह युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई हो सकती है। यह वार्ता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आतंकवादी समूह के इस बयान का स्वागत करने के बाद होगी कि उसने अमेरिकी योजना के कुछ तथ्यों को स्वीकार कर लिया है। इजराइल ने पहले कहा था कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका के नये प्रयास का समर्थन करता है। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने कहा कि मिस्र सोमवार को इजराइल और हमास के प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी करेगा, जिसमें फलस्तीनी कैदियों के बदले इजराइली बंधकों के प्रस्तावित आदान-प्रदान पर चर्चा की जायेगी।

05-10-2025 सूर्यास्त 6:06 बजे	06-10-2025 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE	NSE
81,207.17 (+223.86)	24,894.25 (+57.95)

सोना	चांदी
11,890 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	146,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भ्रम जाल

अवतारी परम पुरुष खुद को,
बाबा बतलाते रहते हैं।
कष्टों के मुक्ति प्रदाता बन,
छल से भरमाते रहते हैं।
उस निराकार को पाने हित,
हम दाँव लगाते रहते हैं।
झूठों के झाँसों में फँस कर,
बस सदा ठगाते रहते हैं।।

विदाई

मैसूरु दशहरा उत्सव के दौरान लाखों लोगों को आकर्षित करने वाले हाथी अभिमन्यु और उनके साथियों को रविवार को मैसूरु पैलेस में जिला प्रशासन की ओर से गर्मजोशी से विदाई दी गई।

भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो पर

'हम सब एक हैं, हम सब हिन्दू हैं': भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सतना (मध्यप्रदेश)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि चाहे कोई खुद को किसी भी भाषा या संप्रदाय का माने, लेकिन सच्चाई यह है कि ''हम सब एक हैं, हम सब हिन्दू हैं। भागवत ने यहां सिंधी कैंप स्थित गुरुद्वारा का उद्घाटन करने के बाद स्थानीय बीटीआई मैदान में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

इस अवसर पर उन्होंने अखंड भारत की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा, जो लोग अपना घर और मकान वहां छोड़कर आए हैं, कल वापस लेकर फिर से डेरा डालना है।

संघ प्रमुख ने कहा, आज हम लोगों की स्थिति ऐसी है कि हम एक टूटा हुआ आईना देखकर अपने आपको अलग मान रहे हैं। एकता चाहिए... झगड़ा क्यों है? चाहे हम अपने आप को किसी भी भाषा या संप्रदाय का कहें लेकिन यह सत्य है कि हम सब एक हैं। हम सब लोग हिन्दू हैं।

भागवत ने कहा कि एक चतुर अंग्रेज यहां आया, हमसे लड़ाई की, हमें हराकर हम पर राज किया। उन्होंने कहा, उसने हमारे हाथ से आध्यात्मिकता का दर्पण छीन लिया और उसकी जगह भौतिकवाद का टूटा हुआ दर्पण थमा दिया। तब से हम खुद को अलग-अलग मानने लगे और छोटी-छोटी बातों पर झगड़ने लगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि बंटवारे के समय सिंधी समुदाय के लोग पाकिस्तान नहीं गए, बल्कि वे अविभाजित भारत आए। उन्होंने कहा, जो लोग अपना घर छोड़कर आए हैं, और जिनका घर, कपड़े और जमीन हड़प ली गई, उन्हें कल वापस लेकर फिर से वहीं डेरा डालना है।

भागवत ने कहा कि नई पीढ़ी को इस दिशा में विचार करना चाहिए।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में

भारत की 'लक्ष्मण रेखाओं' का सम्मान होना चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध गंभीर तनाव में हैं।
- भारत ने अमेरिका की कार्रवाई को अनुचित, अवांछित और तर्कहीन करार दिया।

नई दिल्ली/भाषा। आयात शुल्क (टैरिफ) पर वाशिंगटन की नीति को लेकर भारत-अमेरिका के संबंधों में तनाव के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि दोनों देशों के बीच किसी भी व्यापार समझौते में नई दिल्ली की 'लक्ष्मण रेखाओं' का सम्मान किया जाना चाहिए। जयशंकर ने यह भी कहा कि इस बारे में 'साझा आधार' खोजने के प्रयास किये जा रहे हैं।

जयशंकर ने एक कार्यक्रम के संवाद सत्र में स्वीकार किया कि भारत और अमेरिका के बीच कुछ मुद्दे हैं, और इनमें से कई प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप न दिए जाने से जुड़े हुए हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर समझ बनाना जरूरी है, क्योंकि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत की लक्ष्मण रेखाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

जयशंकर कौटिल्य इकोनॉमिक एन्क्लेव में ''उथल-पुथल के दौर में विदेश नीति का स्वरूप'' विषय पर आयोजित परिचर्चा में बोल रहे थे।

जयशंकर ने कहा, आज हमारे सामने अमेरिका के साथ कुछ मुद्दे हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि हम अपनी व्यापार वार्ता के लिए किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाए हैं और अब तक वहां तक पहुंचने में असमर्थता के कारण भारत पर एक निश्चित शुल्क लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, एक दोहरा शुल्क भी है, जिसे लेकर हमने सार्वजनिक रूप से कहा है कि हम उसे बेहद अनुचित मानते हैं। यह शुल्क हमें रूस से ईंधन खरीदने को लेकर निशाना बनाता है, जबकि कई अन्य देश भी ऐसा कर रहे हैं- उनमें वे देश भी शामिल हैं, जिनके रूस के साथ वर्तमान में हमारे मुकाबले कहीं अधिक टकरावपूर्ण संबंध हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिए जाने के बाद से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध गंभीर तनाव में हैं। इसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

भारत ने अमेरिका की इस कार्रवाई को अनुचित, अवांछित और तर्कहीन करार दिया। हालांकि, पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत के परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तावित व्यापार समझौते पर काम करने के प्रयास हुए।

तेलंगाना के विधायक राजा सिंह पर मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। मध्यप्रदेश में हाल ही में आयोजित एक बैठक में पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए तेलंगाना के गोशामहल से विधायक टी राजा सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हैदराबाद पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सिंह के पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसके बाद लोगों के एक समूह ने शनिवार को शालीबंदा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। सिंह हिंदुत्व के समर्थन में बयान देने के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले, उन्हें अगस्त 2022 में इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित टिप्पणियों के लिए गिरफ्तार किया गया था।

दुर्गा मूर्ति विसर्जन यात्रा के दौरान कटक में हुई ताजा हिंसा

कटक में हिंसा की ताजा घटनाओं के बाद इंटरनेट बंद, निषेधाज्ञा लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा सरकार ने रविवार रात कटक के 13 थाना क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू कर दी। यह निषेधाज्ञा दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई सामूहिक झड़प के बाद हिंसा की एक ताज़ा घटना में 25 लोगों के घायल होने के बाद लागू की गई है।

पुलिस आयुक्त एस देवदत्त सिंह ने बताया कि यह आदेश रविवार रात 10 बजे से 36 घंटे के लिए प्रभावी रहेंगे। उन्होंने बताया कि निषेधाज्ञा दरगाह बाजार, मंगलाबाग, छावनी, पुरीघाट, लालबाग, बिदानासी, मरकट नगर, सीडीए फेज-2, मालगोदाम, बादामबाड़ी, जगतपुर, बयालीस मौजा और सदर थाना क्षेत्रों में लागू रहेगी।

राज्य सरकार ने मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति के मद्देनजर गलत सूचना के प्रसार को रोकने के लिए कटक नगर निगम, कटक विकास प्राधिकरण (सीडीए) और आसपास के 42 मौजा क्षेत्र में रविवार शाम सात बजे से सोमवार शाम सात बजे तक इंटरनेट सेवाओं को भी निलंबित कर दिया है।

अधिकारियों के अनुसार, पुलिस द्वारा जुलूस रोकने के बाद मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे क्षतिग्रस्त कर दिए गए और गौरीशंकर पार्क क्षेत्र की दुकानों में कथित तौर पर आग लगा दी गई।

रैली शहर के पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित विद्याधरपुर से शुरू होकर दरगाह बाजार इलाके सहित प्रमुख क्षेत्रों से होकर गुजरी, जो शुक्रवार और शनिवार की मध्य रात्रि को हुई हिंसा का केंद्र था और शहर के पश्चिमी छोर पर सीडीए के सेक्टर 11 में समाप्त हुई। रैली में शामिल व्यक्तियों को शहर में घूमते हुए 'जय श्री राम' के नारे लगाते सुना गया। शांति की अपील करते हुए, माझी ने यह भी कहा कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में माझी ने उपद्रव पर दुख जताया और नागरिकों से सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

दार्जिलिंग पहाड़ियों में भारी बारिश से बड़े पैमाने पर भूस्खलन में 20 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल के मिरिक और दार्जिलिंग पहाड़ियों में रविवार को लगातार बारिश के कारण हुए भारी भूस्खलन में कई बच्चों सहित कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के कारण कई घर बह गए, सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं, दूरदराज के कई गांवों का संपर्क टूट गया तथा सैकड़ों पर्यटक फंस गए। एनडीआरएफ और जिला प्रशासन द्वारा संकलित रिपोर्ट के अनुसार, कई स्थानों - सरसली, जसबीरगांव, मिरिक बस्ती, धार गांव (मेची), नागराकाटा और मिरिक झील क्षेत्र से लोगों के मारे जाने की खबर है। उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने जान-माल के नुकसान को दुखद बताते हुए बताया कि स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा, अभी तक मृतकों की संख्या 20 है। यह संख्या बढ़ने की आशंका है। मैं इलाके के लिए रवाना हो रहा हूं। एनडीआरएफ बयान के अनुसार, भूस्खलन से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र मिरिक में 11 लोगों की मौत हो गई और सात घायलों को क्षेत्र से बचा लिया गया है। दार्जिलिंग में सात लोगों की मौत हो गई और पुलिस, स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रतिक्रिया टीमों की मदद से बचाव अभियान जारी है।

हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारी बारिश एवं भूस्खलन के कारण दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों में स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा उनकी सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''दार्जिलिंग में पुल दुर्घटना में लोगों की मौत होने से बहुत दु:ख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग तथा आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान को 88 रन से हराया, वनडे में अजेय क्रम जारी रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था जबकि पाकिस्तान की यह दूसरी हार है।

कोलंबो/भाषा। भारतीय टीम ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से रविवार को यहां आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप मुकाबले में पाकिस्तान को 88 रन से हराकर इस चिर प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ वनडे में जीत के सिलसिले को जारी रखा।

भारतीय महिलाओं ने टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत हासिल की और वनडे में पाकिस्तान के खिलाफ 12वें मुकाबले में जीत दर्ज कर शत प्रतिशत रिकॉर्ड कायम रखा। विश्व कप में यह पाकिस्तान के खिलाफ उसकी पांचवीं जीत है।

भारत ने टूर्नामेंट के पहले मैच में श्रीलंका को हराया था जबकि पाकिस्तान की यह दूसरी हार है।

एशिया कप में भारत की पुरुष टीम की पाकिस्तान की टीम से 'हाथ नहीं मिलाने की नीति' पर कायम रहते हुए भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस के दौरान पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना से हाथ नहीं मिलाया। मैच रैफरी द्वारा टॉस के फैसले में हुई गलती के कारण टॉस पाकिस्तान के पक्ष में चला गया जिसने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

भारतीय टीम हरलीन देओल की 65 गेंद में संयम से खेली गई 46 रन की पारी और अंत में रिचा घोष के 20 गेंद में तेजी से बनाए गए नाबाद 35 रन से धीमी पिच पर संघर्ष करते हुए पारी की अंतिम गेंद पर 247 रन के सम्मानजनक स्कोर पर सिमट गई।

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम शीर्ष क्रम के चरमराने के उबर नहीं सकी और सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन की 81 रन की जुझारू पारी के बावजूद 43 ओवर में 159 रन पर ढेर हो गई।

सिदरा अमीन ने भारतीय क्षेत्ररक्षकों द्वारा दिए गए जीवनदान का फायदा उठाते हुए 106 गेंद में नौ चौके और एक छक्का जड़ित पारी खेली। उनके अलावा सिर्फ नतालिया परवेज (33 रन) और सिदरा नवाज (14 रन) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी।

भारत के लिए क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने तीन तीन विकेट झटके जबकि स्नेह राणा को दो विकेट मिले।

पाकिस्तान ने 26 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने कभी भी पाकिस्तान की बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया और लगातार अंतराल पर विकेट झटकना जारी रखा।

दीप्ति ने चौथे ओवर में सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली को रन आउट कराया। क्रांति गौड़ ने सदफ को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया और आलिया रियाज को अपना दूसरा शिकार बनाया जिससे पाकिस्तान ने 26 रन पर तीन विकेट गंवा दिए।

सिदरा अमीन 40वें ओवर तक एक छोर पर डटी रहीं जिसमें उन्हें थोड़ी देर के लिए नतालिया का साथ मिला। लेकिन दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे।

अखिल भारतीय यतीन्द्र ज्ञानपीठ की परीक्षाएं सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में किल्लारी रोड स्थित गुरु राजेन्द्र भवन में अखिल भारतीय श्री यतीन्द्र जयंत ज्ञानपीठ की वार्षिक परीक्षाएं सम्पन्न हुई जिसमें शहर की 6 पाठशालाओं के सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक प्रकाश हिराणी, महिला परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्षा प्रेमादेवी गांधीमुथा, दक्षिण प्रांतीय महामंत्री डूंगरमल चोपड़ा ने अपने विचार प्रकट किए। रविवार को देश के 50 केंद्रों में तीन हजार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इस कार्यक्रम में दक्षिण प्रांतीय अध्यक्ष बाबूलाल सवानी, शाखा उपाध्यक्ष चंपालाल निमाणी, धार्मिक शिक्षा मंत्री मांगीलाल वेदमूथा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जेवाईएस के सदस्यों ने साधु साध्वियों के दर्शन किए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन युवा संगठन(जेवाईएस) के सदस्यों ने महावीरस्वामी श्वेतांबर जैन मंदिर, चामराजपेट में विराजित उपाध्यायश्री अभ्युदयप्रभविजयजी, चामराजपेट स्थानक में विराजित नवरतनमुनिजी, चामराजपेट शीतलनाथ जैन मंदिर में विराजित साध्वी जिनांगनिधिश्रीजी, विमलनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर, बसवनगुड़ी में विराजित मुनिश्री मलयप्रभसागरजी, साध्वीश्री हर्षपूर्णश्रीजी, सिमंधर शांतिसूरी जैन मंदिर, वीवी पुरम में विराजित पन्यासश्री जयभानुशेखरविजयजी, संभवनाथ जैन मंदिर, वीवीपुरम में विराजित मुनिश्री विवेकविजयजी, साध्वीश्री मुक्तिलब्धिश्रीजी आदि के दर्शन किए। संतों के दर्शन में संगठन के अध्यक्ष मुकेश सुराणा, मंत्री सुश्रुत चेलावत, कोषाध्यक्ष विनय गांधी, साधु-साध्वी सेवा समिति के चेयरमैन कमलेश कोठरियां एवं जैन युवा सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक भंडारी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

पुष्करमुनि की जयंती व युवाचार्य महेंद्रऋषि का जन्मोत्सव समारोहपूर्वक मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषिजी का 59वां जन्मोत्सव एवं वरिष्ठ उपाध्याय पुष्करमुनिजी की जयंती मनाई गई। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि नव पद का सातवां दिवस सम्यक दर्शन है। अगर सम्यग दर्शन नहीं है तो सब बेकार है। अगर श्रद्धा विचार नहीं है तो सब बेकार है। मनुष्य को सम्यग दर्शन के माध्यम से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है। नव पद बहुत ही मंगलकारी होता है। इसमें उपाध्याय की ज्ञान गाथा और मुनियों की गुण गाथा सुनने को मिलती है। जब मनुष्य को ज्ञान आता है तो उसके सभी रास्ते खुलने लगते हैं।

अगर यह नहीं है तो ज्ञान आना संभव नहीं है। संसार में रहना तो कमल की तरह ही रहना चाहिए इसी को सम्यक दर्शन कहते हैं। ङ्गङ्गज्ञानमुनिजी ने कहा कि उपाध्याय पुष्कर मुनिजी ज्ञान, दर्शन, चरित्र के धारक थे। वे मेवाड़ के महान संत थे। पुष्कर मुनिजी की प्रतिभा और ज्ञान ध्यान से कई संतों ने दीक्षा ली। पुष्कर मुनि जी बहुत ही मस्त मौला थे। उनकी आवाज बहुत ही बुलंद थी। वे कभी तनाव में नहीं रहते थे। उन्होंने अपने ज्ञान से बहुतों को मोक्ष का मार्ग दिखाया। ङ्गङ्गज्ञानमुनिजी ने कहा कि श्रमण संघ से वर्तमान युवाचार्य महेंद्रऋषिजी महान संत आनंद ऋषि से दीक्षा लेकर बहुत ज्ञानी बने। ऐसे महान संतों के जीवन से हमें शिक्षा लेकर जीवन बदल लेना चाहिए। गुणगान सुनने से जीवन नहीं बदलेगा, बल्कि उसको जीवन में आत्मसात करने से जीवन बदलेगा। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का आभार व्यक्त किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

धर्म वही सच्चा जो मानवता के लिए हितकारी व कल्याणकारी हो : साध्वी संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर अणुव्रत समिति द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तहत पांचवें दिन 'साम्प्रदायिक सौहार्द दिवस' साध्वीश्री संयमलता जी के सान्निध्य में मनाया गया। समिति के अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने सभी का स्वागत किया। तेरापंथ सभा के भंवरलाल मांडोत, महिला मंडल की अध्यक्ष महिमा पटावरी व युवक परिषद विजयनगर के मनीष चावत ने अपने विचार व्यक्त किए। राजेश चावत ने कहा कि हमारे विचार अनेक हो सकते हैं, परंतु लक्ष्य केवल एक होना चाहिए मानवता और एकता। कार्यक्रम में अमृतकुमारस्वामीजी ने कहा कि संप्रदाय और धर्मगुरु हमें उसी मार्ग की प्रेरणा देते हैं जो मानव धर्म की ओर अग्रसर करता है। ब्राह्मण समाज के महेश कुमार ने कहा कि हम सभी वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के वाहक हैं। ङ्गसाध्वी संयमलता जी ने कहा कि विश्व में हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख, इसाई आदि नामों से प्रचलित धर्म सम्प्रदाय हैं। वर्तमान में जन मानस किसी सम्प्रदाय विशेष से जुड़ने की अपेक्षा ऐसे धर्म को पसंद करता है जो मानवता के लिए हितकारी व कल्याणकारी हो। धर्म मनुष्यता का मंत्र है, उन्नति का तंत्र है। साध्वी रौनक़ प्रभाजी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समाजसेवी हंसराज मुणोत ने अपनी कविता की प्रस्तुति देते हुए कहा कि जीवन में आचरण, विचार और आपसी सौहार्द अत्यंत आवश्यक हैं। सम्प्रदाय भले ही अलग-अलग हों, पर हमारा लक्ष्य एक ही होना चाहिए- मानवता और सद्भावना का प्रसार। इस मौके पर अनेक जन उपस्थित थे। परामर्शक राकेश दुधोड़िया ने धन्यवाद दिया। संयोजिका बरखा पुगलिया ने संचालन किया

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मातेश्वरी मित्र मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा मीनाक्षी कल्याण मंडप में आयोजित विशाल भजन संध्या कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। मंडल के सदस्यों ने मुणोत का सम्मान किया।

यशवंतपुर में 'खुशहाल दाम्पत्य जीवन के रहस्य' नामक पारिवारिक कार्यशाला सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में 'खुशहाल दाम्पत्य जीवन के रहस्य' नामक पारिवारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया ने सभी का स्वागत किया। सुनील वनीता बोलिया ने एक लघु नाटिका प्रस्तुत की। छह दंपति जोड़े ने मिलकर मंगलाचरण किया। साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा कि हमारी दुनिया रिश्तों की दुनिया है, हर व्यक्ति डोर से बंधा हुआ है। माता-पिता भाई-बहन के अलावा दाम्पत्य रिश्ता होता है जो परिवार में सुख-शांति वैभव फैलाने का काम करता हो। यह रिश्ता विवाह से जुड़ता यानी विश्वास, वादा और हाथ मिलाएँ। साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा कि सप्ताह के एक दिन भोजन और भजन परिवार के साथ करना चाहिए। साध्वीश्री सरलयशा जी ने टॉक शो के माध्यम से अपने विचार रखे। साध्वी ऋषिप्रभाजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए दाम्पत्य जीवन को खुशहाल बनाने के टिप्स बताए। मंत्री अनिल दक ने मुख्य वक्ता संजय धारीवाल का परिचय दिया ।

इस कार्यक्रम में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करते हुए संजय धारीवाल ने कहा कि एक खुशहाल दंपति जीवन का रहस्य भगवान महावीर के जैन सिद्धांतों पर चलने से हमें प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि अनेकांतवाद, अहिंसा और अपरिग्रह से अपने मन से स्वयं को सुधारे अपने वचनों और बोलने के टोन पर कंट्रोल रखें।

स्वयं को एक दिन का वक्त दें और स्वयं की खूबियों को समझें, स्वयं की कमियों पर गौर करें और उन्हें सुधारें। बहादुर सेठिया ने कहा कि ऐसी कार्यशाला दो-तीन माह में एक बार अवश्य होनी चाहिए। कार्यक्रम में ज्ञानशाला प्रशिक्षक अमीचंद खटेड़ भी उपस्थित थे। महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा पितलिया, सभा के सहमंत्री सुनील बाबेल, संयोजक निर्मल बाफना सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे ।महिला मंडल की मंत्री टीना पितलिया ने धन्यवाद दिया।

श्वेता ने 'जीतो' ज़ायका राष्ट्रीय कुकिंग प्रतियोगिता जीती

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो कनेक्ट-2025 हैदराबाद में 4 अक्टूबर को आयोजित ज़ायका राष्ट्रीय कुकिंग प्रतियोगिता में केकेजी ज़ोन की बेंगलूरु जीतो साउथ लेडीज विंग की श्वेता बोकाड़िया और जीतो लेडीज विंग, बल्लारी की ममता बागरेचा की जोड़ी ने अनूठी रचनात्मकता, लज़ीज़ पकवानों और आत्मविश्वास से निर्णायक मशहूर शेफ़ अजय चोपड़ा और नीता मेहता का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता में 90 चैप्टर्स से अनेक प्रतिभागियों ने भाग लिया। पहले चैप्टर स्तर पर श्वेता बोकाड़िया विजेता बनीं, फिर ज़ोन स्तर पर 9 ज़ोन्स की चैंपियन्स से मुक़ाबला हुआ। वहाँ भी श्वेता ने परचम लहराया और राष्ट्रीय स्तर पर ममता बागरेचा के साथ जोड़ी बनाकर अंतिम मुक़ाबले में धमाकेदार जीत दर्ज की। जीतो लेडीज़ विंग की संयोजिका पिंकी जैन, केकेजी ज़ोन के चेयरमैन प्रवीण बाफ़ना, महामंत्री दिलीप जैन, साउथ लेडीज विंग की अध्यक्ष बबीता रायसोनी, जीतो चेयरमैन रंजीत सोलंकी सहित अन्य पदाधिकारियों ने विजेताओं को शुभकामना दी।

सीबीजी और पोटाश संयंत्रों के लिए 15 सहकारी चीनी मिलों को एनसीडीसी से मिलेगा वित्त पोषण : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र)/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) और पोटाश उत्पादन संयंत्र स्थापित करने के लिए देश भर की 15 सहकारी चीनी मिलों को राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) से वित्तपोषण के लिए चुना जाएगा।

अहिल्यानगर जिले के कोपरगांव तहसील में सहकार महर्षि शंकरराव कोल्हे सहकारी साखर कारखाना में एक सीबीजी इकाई, एक स्प्रे ड्रायर और पोटाश दाना विनिर्माण केंद्र के उद्घाटन पर शाह ने कहा कि ये परियोजनाएं भारत के सहकारी क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ती हैं। उन्होंने कहा, मैं निदेशक विवेक कोल्हे को बताना चाहता हूं कि यह काम पूरे देश में फैलेगा। मोदी सरकार एनसीडीसी से वित्त-पोषण के लिए 15 सहकारी चीनी मिलों का चयन करेगी, ताकि उनके परिसर में ऐसे संयंत्र स्थापित किए जा सकें। यह एक नई शुरुआत होगी।

मंत्री ने कहा कि कोपरगांव में शुरू की गई इकाइयां देश में अपनी तरह की पहली हैं। उन्होंने कहा, पचपन करोड़ रुपए की लागत से निर्मित सीबीजी संयंत्र प्रतिदिन 12 टन सीबीजी और 75 टन पोटाश का उत्पादन करेगा। ये दोनों उत्पाद वर्तमान में आयात किए जाते हैं और यह पहल आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए विदेशी मुद्रा की बचत करेगी। शाह ने कहा कि परियोजना ने सीबीजी की खरीद के लिए गेल, बीपीसीएल, इफको और राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स के साथ पहले ही समझौता कर लिया है। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य वृत्तीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) हासिल करना है।

महाराष्ट्र की सहकारी विरासत की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि राज्य ने कभी चीनी सहकारी आंदोलन का नेतृत्व किया था, उसे अब 'सर्कुलर इकोनॉमी' क्षेत्र में अग्रणी होना चाहिए।

एवनप्लास्ट कम्पनी के सहयोग से बचाई गई 124 गायें

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर की प्रतिष्ठित कम्पनी एवनप्लास्ट के 30 कर्मचारियों ने रविवार को गौसेवक गौतम व मंजू के सहयोग से हिन्दूपुर के एक कत्लखाने में गैरकानूनी रूप से वध के लिए लाई गई 124 गायों को वहां से छुड़ाया। इन बचाई हुई गायों को एवनप्लास्ट के 9 वाहनों में गौशाला लाया गया और उनकी देखरेख की गई। कम्पनी के प्रमुख सुनील बजाज ने सभी कर्मचारियों व गौभक्तों के कार्य की सराहना करते हुए गौ-बचाव के इस कार्य को अनुमोदनीय बताया।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्लु केंद्र के 'विकसित भारत बिल्डथॉन' के ब्रांड एंबेसडर बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईआईएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला 'विकसित भारत बिल्डथॉन' के ब्रांड एंबेसडर हैं। यह एक राष्ट्रव्यापी नवाचार आंदोलन है जो छठी से 12वीं कक्षा तक के स्कूलों के छात्रों को शामिल करने के लिए बनाया गया है।

बिल्डथॉन, अब तक का सबसे बड़ा स्कूल हैकाथॉन है जो देश भर के 1.5 लाख स्कूलों के एक करोड़ से अधिक छात्रों को चार विषयों के तहत प्रोटोटाइप बनाने और डिजाइन करने के लिए प्रेरित करेगा। यह हैकाथॉन शिक्षा मंत्रालय द्वारा अटल नवाचार मिशन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, शुक्ला विकसित भारत बिल्डथॉन-2025 के ब्रांड एंबेसडर हैं। शनिवार को उ न्होंने स्कूल शिक्षा सचिव संजय कुमार से मुलाकात की। उन्होंने बिल्डथॉन के दृष्टिकोण और पहलों पर चर्चा की, जो छात्रों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है, ताकि उन्हें विकसित भारत की विकास यात्रा में भविष्य के लिए तैयार योगदानकर्ता बनने के लिए सशक्त किया जा सके। भारतीय वायुसेना के 39 वर्षीय अधिकारी और परीक्षण पायलट ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने एक्सिओम-4 मिशन के तहत अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा पूरी की। यह इसरो और नासा द्वारा समर्थन प्राप्त वाणिज्यिक अंतरिक्ष उड़ान थी जिसे एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित किया गया।

बाल ठाकरे के निधन को लेकर कदम की टिप्पणी 'घृणित': सुप्रिया सुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) की वरिष्ठ नेता सुप्रिया सुले ने बाल ठाकरे के निधन के संबंध में शिवसेना नेता रामदास कदम की टिप्पणी को रविवार को घृणास्पद करार दिया।

कदम ने इस सप्ताह की शुरुआत में आयोजित दशहरा रैली के दौरान शिवसेना संस्थापक के निधन को लेकर सनसनीखेज दावे किए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2012 में बाल ठाकरे के निधन की औपचारिक घोषणा किए जाने से पहले उनके पार्थिव शरीर को दो दिन तक मातोश्री (बांद्रा स्थित ठाकरे परिवार का आवास) में रखा गया था और उनके उंगलियों के निशान भी लिए गए थे। बाल ठाकरे का 17 नवंबर 2012 को 86 साल की उम्र में निधन हो गया था। मुंबई में संवाददाताओं से बातचीत में सुले ने कहा, राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बारे में इतनी घृणित बात कभी नहीं कही गई। इस तरह की बयानबाजी बंद होनी चाहिए। शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-उबाठा) के नेताओं ने कदम की टिप्पणी की तीखी आलोचना करते हुए उन्हें 'गद्दार' और 'नमक हराम' बताया है।

यात्रा, पर्यटन से 2035 तक नौ करोड़ नए रोजगार सृजित होंगे: डब्ल्यूटीटीसी

मुंबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय यात्रा एवं पर्यटन क्षेत्र अगले 10 वर्षों में 9.1 करोड़ नई नौकरियों का सृजन करेगा, जो वैश्विक स्तर पर सृजित प्रत्येक तीन नौकरियों में से एक के बराबर है। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। 'फ्यूचर ऑफ द ट्रैवल एंड टूरिज्म वर्कफोर्स' नामक रिपोर्ट में कहा गया कि यदि जनसांख्यिकीय और संरचनात्मक बदलावों पर ध्यान नहीं दिया गया तो इससे कार्यबल में 4.3 करोड़ से अधिक लोगों की कमी हो सकती है। यह रिपोर्ट 20 अर्थव्यवस्थाओं पर केंद्रित है। डब्ल्यूटीटीसी यात्रा और पर्यटन उद्योग के मुद्दों पर सरकारों के साथ काम करती है, तथा इस क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक योगदान पर यह एक वैश्विक प्राधिकरण है। एक विज्ञप्ति में कहा गया कि हाल ही में रोम में आयोजित 25वें डब्ल्यूटीटीसी वैश्विक शिखर सम्मेलन में जारी की गई यह रिपोर्ट व्यापक वैश्विक शोध पर आधारित है, जिसमें व्यापारिक दिग्गजों और पर्यटन निकाय के सदस्यों तथा अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ गहन साक्षात्कार शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 2024 में यात्रा और पर्यटन की मांग पहले से कहीं अधिक मजबूत थी। इस क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान 8.5 प्रतिशत बढ़कर 10,900 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

गांधीवादी तरीके से संघर्ष जारी रखें, न्यायिक जांच के आदेश तक जेल में रहने को तैयार : वांगचुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। जेल में बंद कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लद्दाख के लोगों से शांति और एकता बनाए रखने तथा राज्य का दर्जा एवं संविधान की छठी अनुसूची के तहत सुरक्षा उपायों के लिए जारी संघर्ष गांधीवादी तरीके से जारी रखने की अपील की है। यह जानकारी वांगचुक के वकील ने रविवार को दी। वांगचुक ने यह संदेश 'लेह एपेक्स बॉडी' के कानूनी सलाहकार हाजी मुस्तफा के माध्यम से दिया, जिन्होंने कार्यकर्ता के बड़े भाई के. सेतन दोरजे ले के साथ शनिवार को राजस्थान की जोधपुर जेल में उनसे मुलाकात की।

संदेश में वांगचुक ने कहा कि 24 सितंबर की हिंसा के दौरान चार लोगों के मारे जाने की जब तक स्वतंत्र न्यायिक जांच नहीं हो जाती, तब तक ''मैं जेल में रहने के लिए तैयार हूं। उन्हें 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत लेह में हिरासत में लिया गया था। इससे दो दिन पहले केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के दर्जे की मांग को लेकर हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। इस प्रदर्शन में चार व्यक्तियों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। अधिकारियों ने वांगचुक पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है।

वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो द्वारा दायर एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय में सोमवार को सुनवाई निर्धारित है, जिसमें उन्होंने जलवायु कार्यकर्ता की रासुका के तहत हिरासत को चुनौती दी है और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की है। मुस्तफा ने रविवार को वांगचुक से मिलने के बाद, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' और फेसबुक सहित अपने निजी सोशल मीडिया अकाउंट पर वांगचुक का ''संदेश'' पोस्ट किया। वांगचुक ने कहा, मैं शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से ठीक हूं तथा सभी की चिंता और प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद देता हूं। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनके परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है और जो लोग घायल तथा गिरफ्तार हुए हैं, उनके लिए मैं प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा कि चार लोगों के मारे जाने की स्वतंत्र न्यायिक जांच होनी चाहिए और जब तक ऐसा नहीं होता, मैं जेल में रहने को तैयार हूं।

जाति जनगणना : शिवकुमार ने अधिकारियों को व्यक्तिगत सवाल नहीं पूछने की सलाह दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उन्होंने सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण करने वाले अधिकारियों को सलाह दी है कि वे कुछ ऐसे प्रश्न न पूछें जो 'व्यक्तिगत' प्रकृति के हों। इस सर्वेक्षण को व्यापक रूप से 'जाति जनगणना' कहा जा रहा है। उन्होंने लोगों से सर्वेक्षण में भाग लेने का भी आह्वान किया। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किया जा रहा यह सर्वेक्षण 22 सितंबर से शुरू हुआ है और सात अक्टूबर तक जारी रहेगा।

सर्वेक्षण के दौरान पूछे गए प्रश्नों पर आपत्तियों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, ''किसी को भी कोई आपत्ति हो, इस (सर्वेक्षण) को जरूर किया जाएगा। अदालत ने कहा है कि सर्वेक्षण स्वैच्छिक है और लोग जो चाहें उत्तर दे सकते हैं और अगर वे किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उन्हें परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।''

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''मैंने अधिकारियों से कहा है कि वे बेंगलूरु में लोगों से यह न पूछें कि लोग कितने मुर्गे, भेड़ और बकरियां पाल रहे हैं और उनके पास कितना सोना है। ये निजी मामले हैं। उनके पास कितनी घड़ियां या फ्रिज हैं, यह पूछने की कोई जरूरत नहीं है। मैंने उन्हें सलाह दी है कि ऐसे सवाल पूछने की कोई जरूरत नहीं है। मुझे नहीं पता कि वे क्या करेंगे, क्योंकि यह एक स्वतंत्र आयोग है।''

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वेक्षण का विरोध करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा, चूंकि पहले हुए सर्वेक्षण को लेकर आपत्तियां उठाई गई थीं, इसलिए सभी को इसमें भाग लेने का अवसर दिया जा रहा है। सर्वेक्षण की अवधि बढ़ाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि आयोग और संबंधित विभाग इस पर फैसला लेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं सभी से सर्वेक्षण में भाग लेने की अपील करता हूं।'' अधिकारियों के अनुरोध पर प्रशिक्षण और आवश्यक तैयारियों के लिए ग्रेटर बेंगलूरु क्षेत्र में सर्वेक्षण में देरी हुई क्योंकि यहां पांच नए निगम बने हैं। सर्वेक्षण अभी जारी है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पिछले महीने सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था, हालांकि अदालत ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को एकत्रित आंकड़ों की गोपनीयता बनाए रखने और नागरिकों की स्वैच्छिक भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। अधिकारियों के अनुसार 420 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से आयोजित इस सर्वेक्षण में 60 प्रश्नों वाली प्रश्नावली का उपयोग किया गया है और इसे वैज्ञानिक तरीके से किया जा रहा है। सरकार ने इससे पूर्व 2015 में एक सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण पर 165.51 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया था।

भाजपा, जद (एस) ने जाति जनगणना को लेकर सिद्दरामय्या सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल-एस (जद-एस) ने रविवार को राज्य में जारी सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और इसके तरीकों एवं इस दौरान पूछे जाने प्रश्नों पर आपत्ति जताई। इस सवेक्षण को व्यापक रूप से 'जातिगत गणना' कहा जा रहा है। दोनों दलों ने सरकार को घेरने के लिए उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार का हवाला दिया, जिन्होंने शनिवार को सर्वेक्षण के दौरान सर्वेक्षणकर्ताओं द्वारा पूछे गए कई सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया था।

भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रमुख विजयेंद्र ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''डी के शिवकुमार की कल की प्रतिक्रिया को देखें तो यह स्पष्ट है... लोगों से 60 सवाल पूछे जा रहे हैं। सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण के नाम पर सरकार द्वारा की जा रही जातिगत गणना दिन-प्रतिदिन भ्रम पैदा कर रही है। इसने सभी समुदायों में भ्रम पैदा कर दिया है।''

मैसूरु में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्ट्या ऐसा लगता है कि सरकार ने बिना उचित तैयारी के जल्दबाजी में सर्वेक्षण का फैसला किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने भी राज्य की कांग्रेस सरकार एवं मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए इस सर्वेक्षण को ''अवैज्ञानिक'' तथा ''भ्रम व तकनीकी त्रुटियों से भरा'' बताया। बेंगलूरु में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने सरकार से इस सर्वेक्षण को तुरंत रोकने और इसके संचालन के तरीके पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। जद (एस) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''उपमुख्यमंत्री को खुद नहीं पता कि क्या सवाल पूछे जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री सर्वेक्षणकर्ताओं द्वारा पूछे गए सवालों से हताश हैं, तो आम लोगों का क्या हाल होगा।'' कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किया जा रहा यह सर्वेक्षण 22 सितंबर को शुरू हुआ और सात अक्टूबर तक चलेगा।

कर्नाटक भाजपा प्रमुख ने बिहार चुनाव के बाद राज्य में राजनीतिक बदलाव की आशंका जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने रविवार को दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस में मुख्यमंत्री बदलने को लेकर उठ रही आवाजें इस ओर इशारा करती हैं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष की ओर संकेत करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस भ्रम में है और पार्टी विधायक खुलेआम नेतृत्व परिवर्तन पर बयान दे रहे हैं।

विजयेंद्र ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''सिद्दरामय्या कुछ जल्दबाजी में नजर आ रहे हैं। अगर आपने दो महीने पहले मैसूरु में उनका शक्ति प्रदर्शन देखा हो... तो मुख्यमंत्री अपनी ताकत दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायक और मंत्री ही अक्टूबर-नवंबर में होने वाले 'राजनीतिक परिवर्तन' की बात कर रहे हैं, भाजपा नहीं।'' विजयेंद्र ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने अपने पार्टी नेताओं से नेतृत्व परिवर्तन पर चर्चा न करने को कहा है और यह भी कहा है कि इस विषय पर जो भी निर्णय होगा, वह पार्टी का शीर्ष नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस नेतृत्व में कोई यह नहीं कह रहा कि नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। इसका मतलब साफ है कि बिहार चुनावों के बाद राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव होंगे। इससे यह भी जाहिर है कि राज्य (राजनीति) में उथल-पुथल मचने वाली है। कांग्रेस विधायक एच.डी. रंगनाथ (कुणिगल) और मांड्या से पूर्व सांसद एल.आर. शिवरामे गौड़ा ने हाल ही में मुख्यमंत्री पद पर परिवर्तन की चर्चा को हवा दी थी। उन्होंने दावा किया था कि शिवकुमार राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनेंगे और यह नवंबर में होगा। हालांकि, सिद्दरामय्या ने दोहराया है कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने दूसरे कार्यकाल के 2.5 साल पूरे कर चुके हैं और बाकी 2.5 साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

जब विजयेंद्र से पूछा गया कि अगर राजनीतिक बदलाव होते हैं तो भाजपा की भूमिका क्या होगी, तो उन्होंने कहा, देखते हैं कैसी स्थिति सामने आएगी। भाजपा एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में काम कर रही है और करती रहेगी। उन्होंने कांग्रेस पर 'गरीब विरोधी' और 'किसान विरोधी' होने का आरोप लगाते हुए कहा, हम 63 से घटकर 62 सीटों पर आ गए है। हम विपक्ष में हैं और जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं। हमें राज्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। राज्य के राजनीतिक हलकों में, विशेषकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री बदलने के विषय में अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसमें सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझा करने के समझौते का हवाला दिया जा रहा है।

मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी और कांग्रेस शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया। उस समय कुछ खबरें थीं कि रोटेशनल मुख्यमंत्री फॉर्मूले के आधार पर समझौता हो गया है, जिसके अनुसार शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन पार्टी द्वारा इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। राज्य के विभिन्न भागों, विशेषकर उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र में बारिश और बाढ़ से हुई तबाही का जिक्र करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि इससे किसान संकट में हैं, क्योंकि उनकी फसलें नष्ट हो गई हैं और कई लोगों ने अपने घर खो दिए हैं।

मुख्यमंत्री बदलने की बातें 'अप्रासंगिक', सिद्दरामय्या पूरे करेंगे पांच साल : कांग्रेस नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। कांग्रेस विधायक और मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायारेड्डी ने मुख्यमंत्री परिवर्तन की अटकलों को रविवार को अप्रासंगिक करार दिया और कहा कि कांग्रेस विधायकों के बहुमत से इस पद के लिए चुने गए सिद्दरामय्या पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। दरअसल ऐसी अटकलें हैं कि पार्टी के भीतर उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग उठ रही है। इस संबंध में पूछे जाने पर रायारेड्डी ने कहा कि कोई भी इस पद की आकांक्षा रख सकता है। रायारेड्डी ने कहा कि उनके अपने समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, क्योंकि उन्होंने भी पूर्व मुख्यमंत्री के बराबर ही चुनाव जीते हैं।

रेड्डी ने मुख्यमंत्री परिवर्तन की चर्चाओं पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, ''यह अप्रासंगिक है। पार्टी हाईकमान ने कहा है कि मुख्यमंत्री परिवर्तन के मुद्दे पर बात नहीं करनी चाहिए लेकिन फिर भी मैं एक बात कहना चाहता हूं - मुख्यमंत्री का चयन पार्टी हाईकमान ने विधायकों की राय जानने के बाद किया था।'' यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, ''मतदान हुआ, सिद्दरामय्या और अन्य ने चुनाव लड़ा और सिद्दरामय्या को अधिक वोट मिले। हमें यह नहीं बताया गया था कि सिद्दरामय्या को अपने कार्यकाल के बीच में ही पद छोड़ना होगा।

हमने उन्हें पांच साल के लिए वोट दिया था। इसलिए मेरा मानना ङ्क्षहै कि वह पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे।'' राज्य के राजनीतिक हलकों में, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस में पिछले कुछ समय से अटकलें हैं कि इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदला जा सकता है और इसके लिए सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता-साझाकरण समझौते का हवाला दिया जा रहा है।

कुनिगल से कांग्रेस विधायक एच.डी. रंगनाथ और मांड्या से पूर्व सांसद एल.आर. शिवराम गौड़ा ने पिछले हफ़्ते मुख्यमंत्री परिवर्तन की बहस को फिर से हवा देते हुए दावा किया कि शिवकुमार राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। गौड़ा ने यह भी कहा था कि ऐसा नवंबर में होगा।

एमएम हिल्स में मृत मिला बाघ; मंत्री ने अभयारण्य प्रस्ताव पर कदम उठाने के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माले महादेश्वर (एमएम) वन्यजीव प्रभाग में एक बाघ के मृत पाए जाने के एक दिन बाद कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने शनिवार को अधिकारियों को निवासियों के साथ विचार-विमर्श करने और क्षेत्र को बाघ अभयारण्य घोषित करने के मकसद से एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, दो अक्टूबर को 12 वर्षीय बाघ का शव मिलने के बाद संदेह है कि जहर दिए जाने से उसकी मौत हुई होगी। वन अधिकारियों ने बताया कि कथित तौर पर जानवर को तीन टुकड़ों में काट दिया गया था और इस मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है।

अधिकारियों ने कहा, पूछताछ जारी है और मौत का असली कारण जल्द ही सामने आएगा। उन्होंने बताया कि पोस्टमॉर्टम में फंदे या गोली लगने के कोई सबूत नहीं मिले और शरीर का कोई भी अंग गायब नहीं था। सभी बाघ अभयारण्यों और मैसूरु संभाग के वन अधिकारियों के साथ एक 'आपातकालीन वीडियो कॉन्फ्रेंस' की अध्यक्षता करते हुए खंड्रे ने कहा कि राज्य वन्यजीव बोर्ड ने एमएम हिल्स को बाघ अभयारण्य घोषित करने के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दे दी है। उनके कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया, ''अधिकारियों को अब स्थानीय प्रतिनिधियों से परामर्श करना होगा और अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।'' मंत्री ने अधिकारियों को वन बस्तियों में रहने वाले मवेशियों और निवासियों के आंकड़े एकत्र करने तथा जंगली जानवरों द्वारा पशुओं के मारे जाने की स्थिति में समय पर मुआवजा देना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ''एमएम हिल्स और कावेरी वन्यजीव अभयारण्यों के किनारे बसे गांवों से जानवरों को मारने के लिए ज़हर का इस्तेमाल और अवैध शिकार की घटनाएं सामने आई हैं। जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए और फसल क्षति के लिए मुआवजे की पुष्टि करके बिना देरी किए भुगतान किया जाना चाहिए।''

कोलार जिले में दो नाबालिग लड़कियां कुएं में मृत पाई गईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलार। कर्नाटक में कोलार जिले के एक कुएं में दो नाबालिग लड़कियों के शव मिले। दोनों कथित तौर पर लापता थीं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये लड़कियां मुलबागल कस्बे में यालाचेपल्ली गांव के सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय में सातवीं कक्षा की छात्रा थीं। उसने बताया कि दोनों की आयु 13 वर्ष थी।

पुलिस ने बताया कि वे बृहस्पतिवार को अपने घर के सामने खेलते समय लापता हो गईं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार सुबह कुछ ग्रामीणों ने शहर से लगभग दो किलोमीटर दूर एक कुएं में बच्चियों के शव तैरते देखे और पुलिस को सूचित किया। उन्होंने बताया कि बाद में एक मृतक के पास से सुसाइड नोट बरामद हुआ जिसमें लिखा था कि वह अपनी जान दे रही है और चाहती है कि उसका परिवार खुशी से रहे।

अधिकारी ने बताया कि दोनों किशोरियों के माता-पिता ने यौन उत्पीड़न एवं हत्या का आरोप लगाया है लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न या हत्या का कोई संकेत नहीं मिला है। रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि उनके शरीर पर कोई बाहरी चोट नहीं थी। पुलिस ने बताया कि मुलबागल ग्रामीण पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। उसने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दोनों लड़कियां अपनी जान देने के इरादे से घर से निकली थीं और कुएं में कूद गईं, जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई। उसने बताया कि आगे की जांच जारी है।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय दक्षिणी राज्यों के वक्फ बोर्ड के साथ क्षेत्रीय बैठक बेंगलूरु में आज

बेंगलूरु/चेन्नई। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय सोमवार को बेंगलूरु में कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के वक्फ बोर्ड के लिए एक दिवसीय क्षेत्रीय बैठक आयोजित कर रहा है, जिसका उद्देश्य इन निकायों को मजबूत बनाना और उनके अधीन संपत्तियों का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करना है। यह पहल एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 2025 के तहत मंत्रालय के प्रयासों का हिस्सा है, जो इस वर्ष अप्रैल में लागू हुआ। इस कार्यक्रम में इन राज्यों के अल्पसंख्यक कल्याण विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय सोमवार, छह अक्टूबर 2025 को बेंगलूरु में कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के वक्फ बोर्ड के साथ एक दिवसीय क्षेत्रीय बैठक आयोजित कर रहा है।

தொழிலாளர் அரசு காப்பீட்டுக் கழகம் (தொழிலாளர் மற்றும் வேலை வாய்ப்பு அமைச்சகம், இந்திய அரசு)
कर्मचारी राज्य बीमा निगम (श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION (Ministry of Labour & Employment, Govt of India)
क.रा.बी.नि E.S.I.C
மண்டல அலுவலகம் / क्षेत्रीय कार्यालय / Regional Office
143, ஸ்டெர்லிங் சாலை, நுங்கம்பாக்கம், சென்னை-600 034.
143, स्टर्लिंग रोड, नुंगमबाक्कम, चेन्नै-600 034.
143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai-600 034.
Phone: 044-28306300 (100 Lines)
E-mail: rd-tamilnadu@esic.gov.in
Website: www.esic.gov.in / www.rotamilnadu.esic.gov.in

संविदा के आधार पर अभियंताओं की नियुक्ति

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, तमिलनाडु क्षेत्र में संविदा के आधार पर कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) / (सिविल) के पदों पर सेवानिवृत्त अभियंताओं से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, विवरण निम्नानुसार है।

आवश्यक अभियंताओं की संख्या

१. कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) - २ पद, क.रा.बी.निगम, चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, के.के. नगर, चेन्नै हेतु।
२. कनिष्ठ अभियंता (सिविल) - १ पद, क.रा.बी.निगम, चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, के.के. नगर, चेन्नै हेतु।

संविदा की अवधि एक वर्ष अथवा इन पदों पर नियमित भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने तक, जो भी पहले हो।

साक्षात्कार की तिथि एवं समय - ०७.१०.२०२५ (मंगलवार), अपराह्न ०२.३० बजे।

स्थान/तशर्पीश: कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय (तमिलनाडु), पंचदीप भवन, १४३, स्टर्लिंग रोड, नुंगम्बाक्कम, चेन्नई-६०० ०३४।

शैक्षिक एवं अन्य योग्यताओं, आयु, आवेदन प्रपत्र तथा विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.esic.gov.in पर जाएँ।/

क्षेत्रीय निदेशक(प्रभारी)

ENGAGEMENT OF ENGINEERS ON CONTRACT BASIS

Applications are invited from retired Engineers for engagement on contract basis as Junior Engineer (Electrical)/(Civil) in ESIC, Tamil Nadu Region as detailed under:

आवश्यक अभियंताओं की संख्या/Number of Engineers required:

1. Junior Engineer (Elec) - 2 Post for ESIC MCH, KK Nagar, Chennai
2. Junior Engineer (Civil) - 1 Post for ESIC MCH, KK Nagar, Chennai

Tenure of contract is one year or till the process of regular recruitment for these posts is completed, whichever is earlier.

Walk-in Interview on 07.10.2025 - Timing 02.30 pm

Venue: EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION Regional Office (Tamilnadu), Panchdeep Bhavan, 143, Sterling Road, Nungambakkam, Chennai-600 034.

For educational and other qualifications, age, application format and other details visit our website www.esic.gov.in

Regional Director (I/c)

बंटवाल में हत्या के एक मामले में कर्नाटक संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम लगाया गया

मंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के बंतवाल में अब्दुल रहमान (32) की हत्या के संबंध में कर्नाटक संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (केसीओसीए) लगाया गया है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि बंतवाल ग्रामीण पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुरियाल गांव के एराकोडी इलाके में अब्दुल रहमान पर 27 मई को हमला किया गया था। पुलिस ने बताया कि रहमान के अलावा कलंदर शफी नामक एक अन्य व्यक्ति पर कथित तौर पर हमला किया गया। शफी को गंभीर चोटें आईं, जबकि रहमान की मौत हो गई। घटना के बाद 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।पुडु गांव का एक आरोपी भरत राज उर्फ भरत कुमदेलु (29) अब भी फरार है, पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 191(1) (गैरकानूनी सभा द्वारा बल या हिंसा का प्रयोग), 191(2) (दंगा), 191(3) (घातक हथियारों का उपयोग करके दंगा), 118(1), 118(2) (स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना), 109 (हत्या का प्रयास), 103 (हत्या), और 190 (गैरकानूनी सभा) के तहत 27 मई को मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी इसके पहले भी हत्या, हत्या के प्रयास तथा भड़काऊ भाषण देने जैसे गंभीर अपराधों में संलिप्त रहे हैं जिससे सामाजिक अशांति और सांप्रदायिक तनाव पैदा हुआ।

आरएसएस

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आरएसएस कार्यकर्ता रविवार को हुब्बली में विजयादशमी पथ संचलन में भाग लेते हुए।

फ्लैट खरीदारों के साथ 'धोखाधड़ी'

ईडी ने कर्नाटक में 423 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फ्लैट खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में शनिवार को धन शोधन निरोधक कानून के तहत कर्नाटक स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी के प्रवर्तकों के 423 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के अनबिके फ्लैट और जमीन कुर्क कर ली। ईडी ने बताया कि यह कार्रवाई बेंगलूरु स्थित ओजोन अर्बाना इंफ्रा डेवलपर्स और उसके मुख्य प्रवर्तक एस वदुदेवन के खिलाफ की गई है। जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कंपनी की एवेन्यू (92 फ्लैट) और एक्वा-2 परियोजनाओं (13 फ्लैट) में बिना बिके फ्लैट के अलावा 4.5 एकड़ वाणिज्यिक भूमि और वासुदेवन की निजी संपत्तियों को कुर्क करने के लिए अनंतिम आदेश जारी किया गया था। बयान के मुताबिक, कुर्क की गई संपत्ति में वासुदेवन की पत्नी के नाम पंजीकृत मुदिगेरे (चिक्कमगलूरु जिला) के कन्नेहल्ली गांव स्थित 179 एकड़ जमीन भी शामिल है। इसमें कहा गया है कि कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 423.38 करोड़ रुपये आंका गया है। बयान के अनुसार, धन शोधन का यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी से उपजा है, जो उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर दर्ज की गई थी। ईडी ने इस मामले में अगस्त में छापेमारी की थी।

ईडी का आरोप है कि ओजोन अर्बाना इंफ्रा डेवलपर्स और वासुदेवन ने फ्लैट खरीदारों के साथ 927.22 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की और उक्त धनराशि के बदले अपार्टमेंट/फ्लैट का कब्जा नहीं दिया, जिससे धनराशि को बेईमानी से अपने पास रखा गया और अन्यत्र इस्तेमाल किया गया।

एजेंसी ने दावा किया कि आरोपियों ने धन को समूह की अन्य कंपनियों और संबंधित व्यक्तियों, जिनमें खुद वासुदेवन और उनके परिवार के सदस्य शामिल थे, को अंतरित कर दिया।

सार्वजनिक सूचना

मेसर्स सोलरक्राफ्ट पावर इंडिया 7 प्रा. लि., जिसका पंजीकृत कार्यालय 109, प्रथम तल, ऋषभ आईपेक्स मॉल, आईपी एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-110092, भारत में स्थित है, भारत सरकार से विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत सभी अधिकार प्राप्त करने हेतु आवेदन करने का इरादा रखती है। यह अधिकार विद्युत लाइनों या विद्युत संयंत्रों की स्थापना के लिए, या बिजली के संचार, टेलीफोन अथवा टेलीग्राफ संचार हेतु आवश्यक कार्यों के समुचित समन्वय के लिए प्रदान किए जाते हैं, जैसे कि टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के अंतर्गत सरकार द्वारा स्थापित या संचालित टेलीग्राफ लाइनों और खंभों की स्थापना हेतु टेलीग्राफ प्राधिकरण को प्राप्त होते हैं। यह निम्नलिखित ट्रांसमिशन योजना के अंतर्गत सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, निर्माण-कार्य और इसके बाद कमीशनिंग, संचालन एवं रखरखाव आदि कार्यों को अंजाम देगी:

ट्रांसमिशन योजना का नाम: हिरोली गांव, आलंद तालुका, कलबुर्गी जिला, कर्नाटक में स्थित पवन ऊर्जा परियोजनाओं से विद्युत के निष्कासन हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली, जो 220 केवी एकल परिपथ (सिंगल सर्किट) लाइन के माध्यम से लगभग 40.207 किमी की लंबाई में महाराष्ट्र के धाराशिव जिले की तुलजापुर तहसील के चिवरी गांव स्थित पीजीसीआईएल 400/220 केवी रिसीविंग सोलापुर पावर स्टेशन तक जाएगी।

योजना के अंतर्गत सम्मिलित ट्रांसमिशन लाइन: सोलरक्राफ्ट पावर इंडिया 7 प्रा. लि. द्वारा 220 केवी एकल परिपथ ट्रांसमिशन लाइन का आपूर्ति एवं निर्माण, जो डबल सर्किट और मल्टी सर्किट टावरों पर आधारित होगी, यह लाइन कर्नाटक राज्य के कलबुर्गी जिले के आलंद तालुका के हिरोली गांव स्थित पवन ऊर्जा परियोजनाओं से महाराष्ट्र राज्य के धाराशिव जिले की तुलजापुर तहसील के चिवरी गांव में स्थित पीजीसीआईएल 400/220 केवी रिसीविंग सोलापुर पावर स्टेशन तक जाएगी।

* लाइन की मार्ग लंबाई लगभग 40.207 किलोमीटर है। हिरोली गांव, आलंद तालुका, कलबुर्गी जिला, कर्नाटक से लाइन एस/सी लाइन ऑन डी/सी टावर्स के रूप में लागू की जाएगी और सोलापुर पावर स्टेशन से लगभग 3 किलोमीटर एस/सी ऑन एम/सी टावर्स के रूप में लागू की जाएगी। उपर्युक्त योजना के अंतर्गत शामिल ट्रांसमिशन लाइन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, चारों ओर और उनके बीच से गुजरेगी:

राज्य	ज़िला	तालुका	गांवों का नाम
कर्नाटका	कलबुर्गी	अलैंड	हिरोली, सारसम्बा (सारासम्बा)
महाराष्ट्र	सोलापुर	अक्कलकोट	गोगांव, किरनळी, घोलसगांव, वागदारी (वागदरी), खाजीकनबास (काजीकणबस), किनिवाड़ी (किणीवाडी), पालापुर, किनी (किणी), वोरगांव
महाराष्ट्र	धाराशिव	तुलजापुर	हागलुर, खुदावाड़ी, गुजानूर (गुजनुर), वागदारी (वागदरी), लोहगांव (लोहेगांव), नंदगांव, चिवरी, सिंदगांव, नालदुर्ग (नालदुर्ग रूरल), ऐडोला, अंदोरा (अणदुर), फुलवाड़ी, दहितना (दहीटना)

मार्ग संरेखण की एक प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। सावजनिक सूचना द्वारा आम जनता का सूचित किया जाता ह कि प्रस्तावित ट्रांसमिशन प्रणाली पर यदि कोई आपत्ति/प्रतिवेदन हो, तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से दो माह की अवधि के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करें।

अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:
नाम- मनमोहन मिश्रा, पद- महाप्रबंधक, सोलरक्राफ्ट पावर इंडिया 7 प्राइवेट लिमिटेड।
109, प्रथम तल, ऋषभ आईपेक्स मॉल, आईपी एक्सटेंशन, पतपड़गंज, दिल्ली-110092 भारत।
ईमेल:- manmohan.mishrablupineenergy.com फोन:- +91 8800777599

राज्य सरकार उद्योग और व्यापार को दे रही बढ़ावा: : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महाराजा अजमीढ़ चंद्रवंशी परंपरा के महान शासक होने के साथ ही उच्च कोटि के कलाकार भी थे। उन्होंने आभूषण और कलाकृतियां बनाने की कला को अपनी प्रजा और वंशजों के लिए एक गौरवशाली व्यवसाय में बदलने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्वर्णकार समाज महाराजा अजमीढ़ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए देश की कला, संस्कृति और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम योगदान दे रहा है।

शर्मा रविवार को जयपुर के अग्रवाल कॉलेज में मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार सभा द्वारा आयोजित महाराजा अजमीढ़ जयंती महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सोने को तराशकर उसमें प्राण फूंकने की जो कला स्वर्णकार समाज के पास है, वह दुनिया के अन्य किसी समाज में देखने को नहीं मिलती। उनके द्वारा बनाए जाने वाले आभूषण भारतीय संस्कृति की पहचान हैं। शर्मा ने कहा कि जयपुर विशेष रूप से रत्न एवं आभूषणों के एक वैश्विक केंद्र के रूप में विख्यात है। यहां के कारीगरों द्वारा तैयार किए गए रत्न और सुंदर आभूषण अंतरराष्ट्रीय बाजार में जयपुर को विशेष पहचान दिलाते हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ ही, लाखों लोगों को रोजगार मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हस्तशिल्प के हुनर को सम्मान देने के साथ ही, प्रदेश में उद्योग और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अनेक स्तर पर प्रयास कर रही है। प्रदेश के आर्थिक विकास को सर्वोपरि रखते हुए पिछले 22 महीनों में हमने आर्थिक सुधार लाने, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए कई उल्लेखनीय कदम उठाए हैं।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में राजस्थान अपराध के मामले में देश के शीर्ष राज्यों में शामिल था। हमने सरकार बनते ही, इसे गंभीरता से लिया और प्रदेशवासियों को सुरक्षित वातारण उपलब्ध करवाने के लिए कई ठोस कदम उठाए।

परिणामस्वरूप राज्य में पिछले लगभग पौने दो वर्षों के दौरान अपराध दर में तेजी से गिरावट आई है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कानून तैयार करने, मजबूत कानून-व्यवस्था, पारदर्शी नीति और तत्पर कार्रवाई से आमजन में सुरक्षा की भावना प्रबल हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमने पुलिस प्रशासन को मजबूत करते हुए अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। आज राजस्थान में व्यापारी निश्चिंत होकर अपना व्यवसाय कर सकते हैं। इस अवसर पर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, जयपुर हैरिटेज नगर निगम महापौर श्रीमती कुसुम यादव, मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार सभा के अध्यक्ष विजेन्द्र जोड़ा सहित बड़ी संख्या में स्वर्णकार समाज के प्रतिनिधिगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

सालासर जा रहे श्रद्धालुओं को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, 3 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू। राजस्थान के चूरू जिले में सालासर बालाजी की पैदल यात्रा के दौरान रविवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया। सदर थाना क्षेत्र में होटल पैराडाइज के पास एक अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे श्रद्धालुओं को टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना एनएच-52 मार्ग पर सुबह लगभग 7 बजे हुई।

घायल श्रद्धालुओं को तुरंत सदर थाना पुलिस ने राजकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर चोटों के कारण दो घायलों को उच्च उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

तीनों मृतकों के शव अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाए गए हैं। सदर थाना के एएसआई गिरधारी लाल सैनी ने बताया कि मृतकों की पहचान हरियाणा के न्योली कला निवासी 34 वर्षीय प्रीतम सिंह, 35 वर्षीय सुरेंद्र जाट और हांसी के 55 वर्षीय मनजीत जाट के रूप में हुई है, जबकि गंभीर रूप से घायल हुए श्रद्धालु चूरू के गांव लम्बोर निवासी प्रशांत और रतनपुरा निवासी विकास हैं, जिनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

जानकारी मिली है कि यह श्रद्धालु समूह शनिवार सुबह लंबोर छीपियान से सालासर पदयात्रा के लिए निकला था। लोगों ने बताया कि कुल 12 सदस्य इस पदयात्रा में शामिल थे और वे उत्साह तथा खुशी से यात्रा कर रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही गांव के लोग और परिजन अस्पताल पहुंच गए।

पुलिस ने हादसे के बाद फरार हुए अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। एएसआई गिरधारीलाल सैनी ने बताया कि पुलिस घटना की गहनता से जांच कर रही है और शीघ्र ही जिम्मेदार वाहन चालक को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घटना के बाद श्रद्धालुओं के परिजनों को भी हादसे की सूचना दे दी गई है। परिजन जल्द ही अस्पताल पहुंचेंगे और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित बच्चे की जयपुर के अस्पताल में मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/जोधपुर। जयपुर के सरकारी जे.के. लोन अस्पताल में छह वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बच्चे को चूरू के एक अस्पताल से रेफर किया गया था। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि यह बच्चा चूरू में तीन दिन तक भर्ती रहा था। अधिकारी के अनुसार, बच्चे के माता-पिता ने बताया कि चूरू में अस्पताल में भर्ती होने से पहले बच्चे को खांसी की दवा (कफ सिरप) दी गई थी।

उन्होंने बताया कि अनस को शनिवार तड़के चार बजे जे.के. लोन अस्पताल में भर्ती कराया गया था और सुबह करीब 10 बजे उसकी मृत्यु हो गई। अधिकारी ने कहा, बच्चा मस्तिष्क ज्वर (एक्यूट ब्रेन फीवर) से पीड़ित था। हाल के दिनों में खांसी की दवा दिए जाने के बाद बच्चों के बीमार होने के कई मामले सामने आए हैं। इससे पहले दो बच्चों की मौत हुई थी जिनमें एक भरतपुर में और दूसरी सीकर में हुई थी। आरोप है कि पीड़ित बच्चों को सरकारी अस्पतालों में 'मुफ्त दवा योजना' के तहत दी गई खांसी की दवा पिलाई गई थी। हालांकि, अधिकारियों ने दावा किया है कि जिस कफ सिरप को लेकर आरोप लगाए जा रहे हैं, उसे सरकारी प्रयोगशाला परीक्षणों में सुरक्षित पाया गया है।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने जोधपुर में कहा कि जिस खांसी की दवा को राज्य में तीन बच्चों की मौत का कारण बताया जा रहा है, वह सुरक्षित है और उसमें न तो कोई मिलावट पाई गई है व न ही कोई अन्य खराबी। मंत्री ने कहा, हमने जांच रिपोर्ट आने से पहले ही दवा की दो बार जांच करवाई थी-पहले हमारे ओषधि नियंत्रक ने और फिर राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) ने इसकी जांच की। लेकिन इसमें कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई। खींवसर ने दावा किया कि तीनों बच्चों को पहले से अन्य बीमारियां थीं और उनके माता-पिता ने खुद ही डॉक्टर की सलाह के बिना उन्हें खांसी की दवा दी थी।

उन्होंने कहा, अगर हम बच्चों को वह दवा देंगे जो वयस्कों के लिए बनाई गई है, तो इसका बच्चों पर नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि दो साल का बच्चा यह दवा नहीं ले सकता।

बाद में मीडिया को जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि तीनों मौत के मामलों में शुरुआती जांच में यह पुष्टि नहीं हुई है कि बच्चों को 'डेक्सट्रोमेथॉर्फेन हाइड्रोब्रोमाइड' दवा डॉक्टर ने लिखी थी या डॉक्टर की निगरानी में दी गई थी। 'केसन्स फार्मा' को क्लीन चिट दिए जाने पर खींवसर ने कहा कि यह फैसला जांच रिपोर्ट में दवा के ठीक पाए जाने के बाद लिया गया। 'केसन्स फार्मा' द्वारा निर्मित 19 दवाओं पर प्रतिबंध और उसकी 40 दवाओं के पहले गुणवत्ता परीक्षण में विफल होने के बारे में पूछे जाने पर खींवसर ने कहा कि यह एहतियात के तौर पर किया गया था।

जबरन वसूली के आरोप में पूर्व पत्रकार समेत दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'ब्लैकमेल' करने और जबरन वसूली करने के आरोप में 'जी राजस्थान' के एक पूर्व पत्रकार समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई राम सिंह राजावत और जितेंद्र शर्मा के खिलाफ की गई। राजावत 'जी राजस्थान' समाचार चैनल में रिपोर्टर और शर्मा 'स्टेट बिजनेस हेड' के रूप में कार्यरत थे। चैनल प्रबंधन ने पिछले महीने अशोक नगर पुलिस थाने में अपने तत्कालीन क्षेत्रीय प्रमुख (रीजनल हेड) आशीष दवे और अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक कदाचार का मामला दर्ज कराया था।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच से पता चला है कि राजावत और शर्मा, दवे के निर्देशों पर काम करते थे और व्यापारियों पर पैसे देने का दबाव बनाने के लिए उनके खिलाफ नकारात्मक खबरें प्रसारित करते थे। अधिकारी ने कहा, आरोपी राज्य में बिल्डरों, खनिज कारोबारियों, निजी अस्पतालों और बिजली परियोजना कंपनियों सहित अन्य प्रतिष्ठानों को ब्लैकमेल करके उनसे पैसे वसूलते थे।

यह घोटाला तब सामने आया जब चैनल को दवे और अन्य के खिलाफ कई शिकायतें मिलीं। इसके बाद मुख्यालय से एक टीम ने जयपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा किया और आंतरिक जांच के दौरान शर्मा सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में एक लॉकर से पांच लाख रुपये लेकर कथित तौर पर भागते हुए नजर आए। इस खुलासे के बाद, चैनल प्रबंधन ने दवे, राजावत और शर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा।

दवे ने जिला एवं सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने राजस्थान उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जिसने जयपुर पुलिस को छह सप्ताह के भीतर जांच पूरी करने और सबूत पेश करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने 128 ब्लू लाइन बसों की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की आधुनिक सुविधाओं से लैस 128 ब्लू लाइन बसों को रविवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जयपुर में अमर जवान ज्योति पर आयोजित कार्यक्रम में शर्मा ने 'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' ग्रामीण परिवहन सेवा की भी शुरुआत की। उन्होंने वॉल्वो, स्केनिया और एसी बसों में खानपान सुविधाओं का भी आगाज किया।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, सार्वजनिक परिवहन सेवा को जनता के लिए अधिक सुदृढ़, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य सरकार ने आधुनिक ब्लू लाइन बसें शुरू की हैं। ये बसें राज्य के 23 आगार को आवंटित की गई हैं। बयान के अनुसार, सरकार ने 'आपणी बस-राजस्थान रोडवेज' ग्रामीण परिवहन सेवा के तहत राजस्व साझाकरण मॉडल के आधार पर 357 मार्गों पर बसें शुरू की हैं। इसमें कहा गया है कि डीलक्स सीटों से सुसज्जित इन बसों में राज्य सरकार की ओर से दी जा रही मुफ्त और रियायती यात्रा की सुविधा भी हासिल होगी।

बयान में दावा किया गया है कि इन बसों से 25 ग्रामीण मार्गों पर स्थित 169 ग्राम पंचायतों को बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी और उनके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा एवं रोजगार सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी। बयान में कहा गया है कि राज्य सरकार ने ट्रेन और हवाई जहाज की तरह निगम की वॉल्वो, स्केनिया तथा एसी बसों में भी खानपान सुविधाएं शुरू की हैं, जिससे यात्रियों को यात्रा के दौरान अपनी सीट पर ही खाने-पीने की सामग्री उपलब्ध हो सकेगी।

इसमें कहा गया है कि यात्रियों को सुबह, दोपहर और शाम के 'मेनू' के हिसाब से खाने-पीने की अलग-अलग चीजें परोसी जाएंगी।

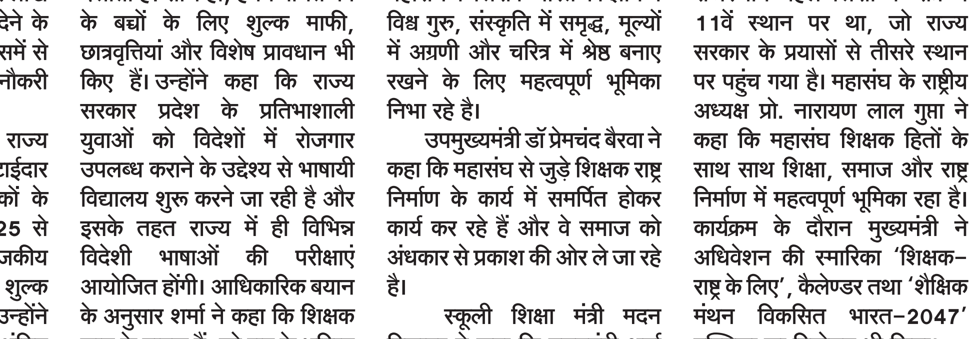

सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किया : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए हैं और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता स्थापित की है। वह यहां केशव विद्यापीठ में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के नौवें अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता स्थापित की, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के समय में केवल पेपर लीक ही हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पांच साल में चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य पर काम कर रही है जिसमें से लगभग 91 हजार युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लघु, सीमांत, बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के बच्चों के लिए सत्र 2024-25 से राजकीय महाविद्यालयों में राजकीय निधि कोष में लिये जाने वाला शुल्क पूरी तरह माफ किया है। उन्होंने कहा, यह निर्णय समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, हमने वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शुल्क माफी, छात्रवृत्तियां और विशेष प्रावधान भी किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं को विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भाषायी विद्यालय शुरू करने जा रही है और इसके तहत राज्य में ही विभिन्न विदेशी भाषाओं की परीक्षाएं आयोजित होंगी। आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि शिक्षक ज्ञान के वाहक हैं, जो राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के शिक्षक भारत को ज्ञान में विश्व गुरु, संस्कृति में समृद्ध, मूल्यों में अग्रणी और चरित्र में श्रेष्ठ बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि महासंघ से जुड़े शिक्षक राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं और वे समाज को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जा रहे है।

स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान पहले शिक्षा के क्षेत्र में 11वें स्थान पर था, जो राज्य सरकार के प्रयासों से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता ने कहा कि महासंघ शिक्षक हितों के साथ साथ शिक्षा, समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिवेशन की स्मारिका 'शिक्षक-राष्ट्र के लिए', कैलेण्डर तथा 'शैक्षिक मंथन विकसित भारत-2047' पुस्तिका का विमोचन भी किया।

भाजपा सरकार में बदनाम हो रही है निशुल्क दवा योजना : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कथित तौर पर खांसी की दवा (कफ सिरप) पीने के बाद मौत के मामलों को लेकर रविवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा सरकार में निशुल्क दवा योजना जैसी आदर्श योजना भी बदनाम हो रही है।

गहलोत ने कहा कि राजस्थान का देश ही नहीं पूरी दुनिया में उदाहरण दिया जाता था क्योंकि 2011 में यहां कांग्रेस सरकार ने निशुल्क दवा योजना शुरू की जिसे कई राज्यों और देशों ने अपने यहां लागू किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, यह बेहद शर्म की बात है कि भाजपा सरकार में ऐसी आदर्श योजना भी बदनाम हो रही है क्योंकि खांसी की दवा से मौतें हो रही हैं। राज्य सरकार इन मौतों की जवाबदेही तय करने के बजाय (इन्हें) स्वीकार ही नहीं कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यह दिखाता है कि राजस्थान में भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार इस कदर बढ़ गया है कि इंसान की जान की भी इन्हें परवाह नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा चिरंजीवी योजना (एमएए योजना), निरोगी राजस्थान योजना (निशुल्क दवा एवं निशुल्क जांच) पर स्वयं विशेष ध्यान दें क्योंकि पूरे देश में इन योजनाओं की चर्चा हुई थी जिस कारण सभी की इन योजनाओं पर नजर रहती है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में हाल के दिनों में, बच्चों को कफ सिरप दिए जाने के बाद गंभीर रूप से बीमार होने के मामले सामने आए हैं।

सरकार ग्रामीण विकास और कृषि कल्याण के लिए कर रही निरन्तर कार्य : जोगाराम

जयपुर/दक्षिण भारत। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर जिला स्थित पंचायत समिति धवा की ग्राम पंचायत चाली के नवनिर्मित मिनी सचिवालय भवन सहित 232.53 लाख रूपये के विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत लोकार्पण किया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास और कृषि कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की सहायता राशि बढ़ाकर 9 हजार रूपये की गई। उन्होंने कहा राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की किस्त धनतेरस के अवसर पर किसानों के बैंक खातों में जमा की जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा गरीबी मुक्त राजस्थान के लिए श्पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना प्रारम्भ की गई है। ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से 10 हजार गाँवों में योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा इस योजना में जो परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठ गए उन्हें 21 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

पटेल ने कहा लूणी के सर्वस्पर्शी विकास की दिशा में अनेक कार्य करवाए गए हैं। उन्होंने कहा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सांगरिया में सैटलाइट अस्पताल, केरू में ट्रॉमा सेंटर की सौगात दी है। वहीं उच्च शिक्षा के लिए केरू एवं झंवर में महाविद्यालय और काश्तकारों के लिए केरू में तहसील एवं दुन्दाड़ा में उप तहसील की सौगात दी गई है। उन्होंने कहा विकसित सड़क तंत्र के लिए लूणी में 4 अरब से अधिक के कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

पटेल ने कहा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण के तहत प्रदेश में लगभग 1600 बसावटों को चरणबद्ध रूप से आगामी 2 वर्षों में डामर सड़कों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा चरणबद्ध रूप से 5 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण कस्बों में अटल प्रगति पथ का निर्माण करवाया जा रहा है।

अयोध्या में 'दीपोत्सव-2025' की तैयारियां तेज, 30 हजार स्वयंसेवक देंगे भव्य आयोजन को गति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले 'दीपोत्सव-2025' की भव्य तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार अयोध्या को आलोकित करने वाले इस विश्वविख्यात आयोजन के लिए अब घाटों को व्यवस्थित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय की टीम घाटों को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने में जुटी हुई है। दीपोत्सव के नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि उनकी देखरेख में घाटों की सफाई के उपरांत चिह्नित करने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दीयों की सुंदर सजावट के लिए प्रत्येक ब्लॉक में 4.5 वर्ग फुट का क्षेत्र चिह्नित किया जा रहा है, जबकि श्रद्धालुओं के आवागमन हेतु ढाई फुट चौड़ा मार्ग छोड़ा गया है। प्रो. मिश्र ने बताया कि दीपोत्सव के लिए कुल 56 घाटों की पहचान की गई है, जिन पर लाखों दीपों की ज्योति से अयोध्या जगमगाएगी। चिह्नित करने का कार्य करने वाली कमेटी के संयोजक डॉ. रंजन सिंह (विभागाध्यक्ष, माइक्रोबायोलॉजी) व उनकी टीम कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर लेंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि दीपोत्सव के सफल संचालन हेतु 30,000 स्वयंसेवकों का ऑनलाइन पंजीकरण अंतिम चरण में है। शीघ्र ही दीपों की आपूर्ति प्रक्रिया भी प्रारंभ की जाएगी। बयान में दावा किया है कि यह भव्य दीपोत्सव न केवल अयोध्या की सांस्कृतिक व आध्यात्मिक पहचान को वैश्विक मंच पर और अधिक उजागर करेगा, बल्कि राम की नगरी, प्रकाश की नगरी का संदेश एक बार फिर संपूर्ण विश्व तक पहुंचाएगा।

क्षेत्र में साफ छवि वाले अधिकारी को ही तैनात किया जाए : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य कर विभाग में तैनाती का आधार केवल ''प्रदर्शन'' होगा और निर्देश दिए कि क्षेत्र (फील्ड) में केवल उन्हीं अधिकारियों को तैनात किया जाए, जो लक्ष्य प्राप्ति के प्रति प्रतिबद्ध हों तथा जिनकी छवि साफ-सुथरी हो।

मुख्यमंत्री रविवार को राज्य कर विभाग की राजस्व प्राप्तियों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोनल अधिकारियों से सीधा संवाद किया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जीएसटी में सुधार के बाद बाजार में तेजी देखी जा रही है और आने वाले महीनों में इसके सकारात्मक परिणाम अवश्य दिखाई देंगे। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि धनतेरस और दीपावली के अवसर पर अनावश्यक जांच अथवा छापेमारी से बचा जाए। व्यापारियों और उद्यमियों के उत्पीड़न की कोई शिकायत कहीं से भी नहीं आनी चाहिए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जोनवार समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि बरेली (64.2 प्रतिशत), सहारनपुर (63.7 प्रतिशत), मेरठ (63 प्रतिशत), गोरखपुर (62.5 प्रतिशत) और झांसी (62.1 प्रतिशत) जैसे जोन का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है, जबकि कुछ जोन में लक्ष्य पूर्ति 55 से 58 प्रतिशत के बीच रही, जहां सुधार की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने वाराणसी प्रथम व द्वितीय, गोरखपुर, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ प्रथम व द्वितीय, कानपुर प्रथम व द्वितीय, इटावा, झांसी, आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, मेरठ, गाजियाबाद प्रथम व द्वितीय, गौतमबुद्ध नगर और सहारनपुर सहित सभी जोन की संभागवार एवं खंडवार समीक्षा की। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों से कहा कि 50 प्रतिशत से कम राजस्व संग्रह वाले खंडों की स्थिति का कारण स्पष्ट किया जाए और उसके सुधार के लिए तत्काल कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि बरेली, झांसी और कानपुर प्रथम जोन में कोई भी खंड 50 प्रतिशत से कम संग्रह वाला नहीं है, जो कि संतोषजनक है। वहीं, कमजोर प्रदर्शन करने वालों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि करदाताओं की सुविधा और उनका विश्वास अर्जित करना ही स्थायी राजस्व वृद्धि का आधार है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि करदाता-अनुकूल वातावरण बनाते हुए 'ई-गवर्नेंस' प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा, राजस्व वृद्धि राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने का आधार है। 'विकसित उत्तर प्रदेश' और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में राज्य कर विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बारिश से प्रभावित किसानों को हर संभव मदद देगी मोदी सरकार : शाह

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र)/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महाराष्ट्र में भारी बारिश से नुकसान झेलने वाले किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। अहिल्यानगर जिले में डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी कारखाने की विस्तारित क्षमता का उद्घाटन करने के बाद एक किसान रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि हाल ही में हुई भारी बारिश से 60 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि प्रभावित हुई है। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में हाल में हुई भारी बारिश और बाढ़ आने से व्यापक नुकसान हुआ है। शाह ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और दोनों उपमुख्यमंत्रियों – एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ एक विस्तृत बैठक की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से, मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि एक बार विस्तृत रिपोर्ट हमें सौंप दिए जाने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र के किसानों को कोई भी मदद देने में देरी नहीं करेंगे।

'हत्या, अपहरण और नरसंहार ही राजद शासन की पहचान थी : नित्यानंद राय

पटना/भाषा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि जंगलराज और गुंडाराज की राजनीति करने वाले लोगों से बिहार की जनता को सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उजियारपुर से सांसद राय ने आरोप लगाते हुए कहा कि बिहार में 1990 से 2005 तक का राजद शासनकाल राज्य के इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दौर था। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय जनता दल का मतलब ही अपराध, नरसंहार, अपहरण, गुंडाराज और जंगलराज है। उन 15 सालों में बिहार लूट, हत्या और बलात्कार का केंद्र बन गया था। दिन में भी लोग घर से निकलने से डरते थे। राय ने दावा किया कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1990 से 2005 के बीच 32,000 से अधिक अपहरण की घटनाएं हुईं। उन्होंने आरोप लगाया, बिहार में अपहरण एक उद्योग बन चुका था और उसके संचालक लालू परिवार और राष्ट्रीय जनता दल थे। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राय ने आरोप लगाते हुए कहा, लालू-राबड़ी के शासनकाल में 18,000 से ज्यादा हत्याएं हुईं। इनमें से कई अपराधियों को आज राजद ने विधायक, जिला अध्यक्ष या पार्टी का मजबूत स्तंभ बना रखा है।

दार्जिलिंग में भूस्खलन संबंधी स्थिति पर रखी जा रही कड़ी नजर : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारी बारिश एवं भूस्खलन के कारण दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों में स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, दार्जिलिंग में पुल दुर्घटना में लोगों की मौत होने से बहुत दुःख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग तथा आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग की पहाड़ियों में शनिवार को कई जगह लगातार बारिश के कारण भूस्खलन होने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग लापता हो गए। भूस्खलन के कारण कई मकान बह गए, सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं और दूरदराज के कई गांवों का संपर्क टूट गया।

दार्जिलिंग उप-मंडलीय अधिकारी (एसडीओ) रिचर्ड लेप्चा ने 'भाषा' को बताया कि स्थानीय प्रशासन, पुलिस और आपदा मोचन दल की मदद से बचाव और राहत अभियान जारी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की है लेकिन उन्होंने राशि का कोई जिक्र नहीं किया।

बनर्जी ने कहा कि वह छह अक्टूबर को उत्तर बंगाल का दौरा करेंगी और उस क्षेत्र की स्थिति का आकलन करेंगी, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक भी प्रभावित हुए हैं।

प्रभावित राज्यों को सहायता प्रदान करे केंद्र : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को पश्चिम बंगाल और सिक्किम में हुए विनाशकारी भूस्खलन पर गहरी चिंता व्यक्त की तथा केंद्र से प्रभावित राज्यों को राहत सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। रविवार को पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग में मिरिक और दार्जिलिंग पहाड़ियों में लगातार भारी बारिश के कारण हुईं भूस्खलन की घटनाओं में कई बच्चों सहित कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। इन घटनाओं में कई घर बह गए, सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं और दूरदराज के कई गांवों का संपर्क टूट गया। खरगे ने पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, खासकर दार्जिलिंग और उत्तरी बंगाल क्षेत्रों में आई विनाशकारी बाढ़ को लेकर मैं बहुत चिंतित हूं, जहां कई लोगों की जान चली गई और एक पुल भी ढह गया है। उन्होंने कहा, शोकसंतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। उम्मीद है कि पीड़ितों को पर्याप्त और शीघ्र मुआवजा दिया जाएगा। खरगे ने केंद्र सरकार से प्रभावित राज्यों को एनडीआरएफ की अतिरिक्त टीम सहित अन्य राहत सहायता प्रदान करने का भी आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को संकटग्रस्त लोगों तक पहुंचना चाहिए और हरसंभव मदद सुनिश्चित करनी चाहिए।

2020 के चुनाव में 23 लाख महिलाओं के नाम एसआईआर के तहत काटे गए : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत लगभग 23 लाख महिलाओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें से ज्यादातर 59 विधानसभा सीटों से हैं, जहां 2020 के चुनावों में ''कांटे की टक्कर'' देखी गई थी।

अपने 'वोट चोरी' के दावों को दोहराते हुए, विपक्षी दल ने यह भी पूछा कि इन महिलाओं ने पिछले साल लोकसभा चुनाव में जब वोट डाला था, तब क्या ये वोट ''फर्जी'' थे और क्या ''फर्जी वोटों'' से चुने गए सांसदों ने सरकार बनाने में मदद की थी। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर, निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर ''बड़े पैमाने पर धांधली'' कर रहा है। उन्होंने यहां इंदिरा भवन मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में दावा किया, बिहार में लगभग 3.5 करोड़ महिला मतदाता हैं, लेकिन लगभग 23 लाख महिलाओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

ओडिशा सरकार हर गांव में भगवता तुंगियों को पुनर्जीवित करेगी : मुख्यमंत्री माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य के प्रत्येक गांव में भगवता तुंगी को पुनर्जीवित करेगी।

भगवता तुंगी एक छोटी सी झोपड़ी होती है जहां ग्रामीण दिन भर की कड़ी मेहनत के बाद धर्म, धर्मग्रंथों और संस्कृति पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होते हैं। ये स्थान ओडिशा के ग्रामीण जीवन के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक ताने-बाने का केंद्र माने जाते हैं।

यहां श्रीमद्भगवद् महोत्सव में शामिल होते हुए माझी ने कहा कि राज्य सरकार 'प्रत्येक ओडिया घर में भगवद् और प्रत्येक गांव में भगवता तुंगी' को पुनर्जीवित करने और स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के विकास में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि भगवद् गीता का पाठ आध्यात्मिक पथ पर उनका मार्गदर्शन करने का एक शक्तिशाली साधन है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवत पांच प्रमुख सिद्धांतों – ईश्वर, जीवन, प्रकृति, काल और कर्म – पर केंद्रित है जो मानव आचरण का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन भगवद् गीता का पाठ करने का आग्रह किया और कहा कि यह मानव जीवन को 'स्वस्थ, धार्मिक और नैतिक दिशा' की ओर ले जा सकती है।

झारखंड के निजी 'लॉज' में छात्रा का शव फंदे से लटका मिला

रांची/भाषा। रांची में एक निजी संस्थान की 20-वर्षीय छात्रा का शव रविवार को यहां एक निजी 'लॉज' (आवासीय परिसर) में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृत छात्रा की पहचान बिहार के सासाराम जिले की रहने वाली स्वाति कुमारी (20) के रूप में हुई है। वह जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक निजी 'लॉज' में रहती थी।

रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने कहा, यह प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। मृत छात्रा एक निजी संस्थान से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही थी और एक निजी 'लॉज' में रहती थी। वह बिहार के सासाराम जिले की निवासी थी। मामले की जांच के लिए फोरेंसिक टीम भेजी गई है। छात्रा की उम्र लगभग 20 वर्ष थी। जगन्नाथपुर थाने में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) भेजा गया है और छात्रा के परिजन को घटना की सूचना दे दी गई है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा।

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा जल्द, 17 नई पहल देश को दिखाएगी राह : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है और इससे पहले राज्य में चुनाव संपन्न करा लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही चुनाव की तिथि की घोषणा की जाएगी।

कुमार ने यह भी कहा कि आगामी चुनाव में लागू की जाने वाली 17 नई पहलें न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगी। यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कुमार ने कहा कि बिहार चुनाव को छठ महापर्व की तरह, लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने भोजपुरी और मैथिली में मतदाताओं को संबोधित करते हुए आभार व्यक्त किया और लोकतंत्र के प्रति सहयोग के लिए बधाई दी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि बिहार ने वैशाली से लोकतंत्र को जन्म दिया है और अब बिहार से ही चुनाव सुधार की नई दिशा देश को मिलेगी। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जबकि योग्य मतदाता नामांकन की समाप्ति से दस दिन पहले तक फॉर्म-6 या फॉर्म-7 भरकर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। कुमार ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने पर संतोष व्यक्त करते हुए दावा किया कि इससे 22 वर्षों के बाद मतदाता सूची का शुद्धिकरण संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि एसआईआर करवाना निर्वाचन आयोग का विशेषाधिकार है।

इससे पहले बिहार में मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में हुआ था। कुमार ने कहा, हमारे पास 243 निर्वाचन क्षेत्रों में से प्रत्येक में एक ईआरओ (निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी) है। इस कार्य में 90,207 बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) ने सहयोग किया, जिससे 22 वर्षों के बाद मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण संभव हो सका।

ओडिशा सरकार दुर्गा पूजा समितियों को 1.10 लाख रुपए तक की सहायता देगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने घोषणा की है कि वह दुर्गा पूजा समितियों को 1.10 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। संस्कृति मंत्री सूर्यवंशी सूरज ने शनिवार को बताया कि यह निर्णय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और पारंपरिक उत्सवों का समर्थन करने के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि समितियों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है– विरासत दुर्गा पूजा, 75 वर्ष पुरानी दुर्गा पूजा और 50 वर्ष पुरानी दुर्गा पूजा। संस्कृति मंत्री ने बताया कि विरासत दुर्गा पूजा के लिए 215 समितियों को 1.10 लाख रुपए दिए जाएंगे जबकि दूसरी और तीसरी श्रेणी को क्रमश: 75,000 रुपए और 50,000 रुपए मिलेंगे। सूरज ने बताया कि दूसरी श्रेणी में 197 पूजा समितियां और तीसरी श्रेणी में 673 पूजा समितियां हैं। उन्होंने कहा कि कुल 1,085 दुर्गा पूजा समितियों को सहायता प्रदान की जाएगी।

मणिपुर में हथियारों का जखीरा बरामद, छह उग्रवादी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम जिलों से हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

इसके अलावा विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े छह उग्रवादियों को पूर्वोत्तर राज्य के चार जिलों में जबरन वसूली और अन्य अवैध गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए अलग-अलग अभियान चलाकर गिरफ्तार किया गया। शनिवार को कांगपोकपी जिले के कोटजिम में मैगजीन के साथ एक 'हेकलर एंड कोच' राइफल, दो 'बोल्ट एक्शन' राइफल, दो 'पुल मैकेनिज्म' राइफल, दो मोर्टार और दो हथगोले बरामद किए गए। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के कांगलाटोम्बी इलाके से एक सब-मशीन गन, एक .303 राइफल, नौ मिमी पिस्तौल, .32 पिस्तौल, स्थानीय रूप से निर्मित सात बोल्ट एक्शन राइफल, गोला-बारूद और अन्य युद्ध सामग्री भी बरामद की। सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में छह उग्रवादियों को अलग-अलग अभियान चलाकर गिरफ्तार किया।

भारत-पाकिस्तान के बीच टॉस के दौरान मैच रैफरी से हुई गलती

कोलंबो/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को यहां महिला विश्व कप मुकाबले के टॉस के दौरान मैच रेफरी शांड्रे फ्रिट्ज से गलती हो गई। इस गलती की वजह से उन्होंने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना को टॉस विजेता घोषित कर दिया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सिक्का उछाला और सना ने 'टेल्स' कहा लेकिन फ्रिट्ज़ ने सुनने में गलती की और इसे 'हेड्स' समझ लिया। फिर प्रस्तोता मेल जोन्स ने भी उन्हें टॉस विजेता घोषित किया।

सिक्का 'हेड्स अप' गिरा लेकिन टॉस का विजेता पाकिस्तान को माना गया जिससे उन्होंने बादलों से भरे आसमान में पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना।

हरमनप्रीत ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और पाकिस्तानी कप्तान के बाद जोन्स से बात करने के लिए उनके पास गईं। उन्होंने सना से हाथ नहीं मिलाया।

'गन्ना मिलों पर लगाए गए कर से किसानों पर असर नहीं पड़ेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहिल्यानगर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गन्ना मिलों पर लेवी (कर) लगाने के राज्य सरकार के फैसले की आलोचना करने वाले विपक्षी नेताओं पर रविवार को निशाना साधा और कहा कि यह किसानों की कमाई से नहीं बल्कि मिलों के मुनाफे से वसूला जाएगा। राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति से हुए नुकसान को देखते हुए सरकार ने पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के लिए मिलों पर प्रति टन गन्ने पर 10 रुपए तथा बाढ़ प्रभावित किसानों की सहायता के लिए प्रति टन पांच रुपए का शुल्क लगाए जाने की घोषणा की थी। लेकिन विपक्ष के नेताओं ने आरोप लगाया है कि इस फैसले से किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

चीनी की एक मिल में आयोजित कार्यक्रम में फडणवीस ने कहा, राज्य में करीब 200 मिलें हैं और एक मिल को सीएमआरएफ में करीब 25 लाख रुपए का भुगतान करना पड़ सकता है। हम किसानों से नहीं बल्कि चीनी मिलों के मुनाफे से धन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इस निर्णय की आलोचना करने वालों की निंदा करते हुए कहा कि वे इसका गलत अर्थ निकाल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग इतना गिर गए हैं कि वे सरकार द्वारा किसानों से पैसा लेने के रूप में इसका वर्णन कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि यह भुगतान मिलों के मुनाफे से है और ये मराठवाड़ा के बाढ़ प्रभावित किसानों तक पहुंचेगा।

तेजस्वी ने मुख्यमंत्री नीतीश के मानसिक स्वास्थ्य पर उठाए सवाल, कहा- सरकार चलाने की क्षमता खो चुके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक कार्यक्रम में ''असामान्य व्यवहार'' उनकी ''मानसिक स्थिति'' और ''सरकार चलाने की क्षमता'' को लेकर नए सिरे से संदेह पैदा करता है। पूर्व उपमुख्यमंत्री और वर्तमान में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर उस कार्यक्रम का एक वीडियो साझा किया, जिसमें मुख्यमंत्री अपने आवास से डिजिटल रूप से शामिल हुए थे। उन्होंने पोस्ट में लिखा, क्या मुख्यमंत्री की इस मानसिक स्थिति के लिए उनके सहयोगी जिम्मेदार हैं जो भाजपा के इशारे पर उनके खाने में कुछ मिला रहे हैं? तेजस्वी ने बाद में संवाददाताओं से कहा, काफी समय से मुख्यमंत्री का व्यवहार असामान्य दिखाई दे रहा है। उन्होंने मेरी मां राबड़ी देवी, जो खुद एक पूर्व मुख्यमंत्री हैं, के अलावा आम तौर पर महिलाओं के बारे में भी अनुचित टिप्पणी की है। एक बार तो वह राष्ट्रगान के दौरान कैमरे में अनुचित हरकतें करते पकड़े गए थे।

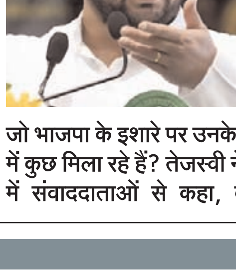

राजद नेता ने कहा, कल हमने उनके असामान्य व्यवहार का एक और उदाहरण देखा। उन्होंने उस वीडियो का जिक्र किया जिसमें नीतीश कुमार अपने कंप्यूटर स्क्रीन की ओर हाथ जोड़े दिखे, जबकि उस समय उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी अपना भाषण पढ़ रहे थे।

तेजस्वी ने आरोप लगाया, स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री अब सरकार चलाने की स्थिति में नहीं हैं। एक 'सिंडिकेट' सरकार चला रहा है और जल्द ही यह बेनकाब होगा।

बेंगलूरु | सोमवार | 06-10-2025 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

एक व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, जब उसने कभी भी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की यानी जब हम कुछ नया करते है तभी गलतियां होना स्वाभाविक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बच्चों को 'साइबर भेड़ियों' से बचाएं

एक मशहूर अभिनेता की बेटी के साथ ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान हुई अभद्र हरकत इस बात का सबूत है कि इंटरनेट को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की सख्त जरूरत है। जैसे-जैसे नई तकनीक आ रही है, गलत मानसिकता रखने वाले लोग उसका खूब दुरुपयोग कर रहे हैं। चूंकि बच्चे मासूम होते हैं, इसलिए वे उन्हें आसान शिकार समझते हैं। हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब साइबर अपराधियों ने पहले तो बच्चों का विश्वास जीता, फिर उनके सामने अपने गलत इरादे जाहिर किए। बच्चों को अनजान लोगों के साथ ऑनलाइन बातचीत करनी ही नहीं चाहिए। अगर कभी ऐसा करना जरूरी हो तो अपने माता-पिता की मदद लेनी चाहिए। पवित्र मन और शुद्ध भावना रखने वाले ये बच्चे नहीं जानते कि ऑनलाइन दुनिया में कितने खतरनाक 'भेड़िए' घूम रहे हैं! बड़ों की जिम्मेदारी है कि वे उन्हें इस बारे में बताएं। आजकल कई घरों में एक विचित्र चलन बढ़ता जा रहा है। कामकाज में व्यस्त माता-पिता अपने बच्चों को मोबाइल फोन थमा देते हैं। उसके जरिए बच्चा क्या देख रहा है, किससे बात कर रहा है – वे इस पर कोई ध्यान नहीं देते। कई मामलों में ऐसा भी पाया गया कि जब कोई बच्चा अपने माता-पिता या परिवार के किसी सदस्य के साथ मन की बात साझा नहीं कर पाता है तो वह ऑनलाइन विकल्प ढूंढ़ने लगता है। सोशल मीडिया पर चर्चित एक मामले के अनुसार, एक किशोरी को उसकी मां ने मोबाइल फोन लाकर दिया था, ताकि जब वह बाहर हो तो जरूरत पड़ने पर उससे संपर्क कर सके। उसने बेटी को समझा रखा था कि अनजान लोगों से ऑनलाइन बातचीत नहीं करनी है।

एक दिन उसने अपनी बेटी को परखने के लिए सोशल मीडिया पर किसी काल्पनिक नाम से अकाउंट बनाया। इसके बाद बेटी से बातचीत शुरू कर दी। फिल्म, फैशन, खानपान, दोस्त, पसंद और नापसंद के बाद परिवार के बारे में पूछा। महिला को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि बेटी ने माता-पिता के नाम, घर का पता समेत कई महत्त्वपूर्ण बातें अपनी उस 'दोस्त' को बता दी थीं! बाद में महिला ने उसे समझाया कि अनजान लोगों के साथ बातचीत करते हुए ऐसी जानकारी साझा करना बहुत खतरनाक हो सकता है। प्राय: बच्चे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ये बातें साझा करने के बाद माता-पिता को बताने से इसलिए हिचकते हैं, क्योंकि उन्हें डांट-फटकार का डर रहता है। अगर कोई बच्चा ऐसी परिस्थिति का सामना कर रहा है तो बहुत स्नेह के साथ उसकी बात सुननी चाहिए और भविष्य में सावधान रहने के लिए कहना चाहिए। जरूरत पड़े तो पुलिस की मदद भी लेनी चाहिए। पूर्व में कुछ साइबर अपराधी यह कहते हुए (बच्चों को) ब्लैकमेल करते पाए गए थे कि 'अगर हमारी बात नहीं मानेंगे तो आपके परिवार को नुकसान पहुंचा देंगे।' उनकी धमकियों से बच्चों के मन में डर पैदा होना स्वाभाविक है। इसे दूर करना जरूरी है। बच्चों को समझाना चाहिए कि साइबर अपराधी खुद इतने डरपोक होते हैं कि वे अपने असली नाम के साथ सामने नहीं आते। उन्हें अपना चेहरा दिखाने से डर लगता है। उनकी सूचना पुलिस को दे देंगे तो वह उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर सकती है। बेहतर तो यह होगा कि इंटरनेट का इस्तेमाल सीमित करें। इसके जरिए वे ही चीजें देखें, जो आपके ज्ञान में वृद्धि करें। मोबाइल फोन के बजाय अच्छी किताबों से 'दोस्ती' करें। अगर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कोई व्यक्ति परेशान कर रहा है तो माता-पिता या शिक्षकों को बताएं। बच्चों को डरने की नहीं, बल्कि सावधान रहने की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

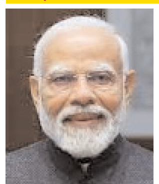

आज हमारे पास साधन है, सामर्थ्य है, हमारे पास दुनिया का सबसे बेहरतरीन टैलेंट है। हम बेस्ट प्रोडक्ट बनाएंगे, अपनी क्वालिटी और बेहतर करेंगे, सप्लाई चैन को और आधुनिक बनाएंगे। ये हम कर सकते हैं और हम जरूर करेंगे।

–नरेन्द्र मोदी

वीर भूमि मेवाड़ के अमर सपूत, आदिवासी समाज के योद्धा राणा पूंजा जी की जयंती पर उन्हें मेरा सादर वंदन। हल्दीघाटी के रण में अपने युद्ध कौशल से उन्होंने शत्रु सेना को करारा जवाब दिया तथा मातृभूमि की रक्षा का वचन निभाकर राजस्थान का अमर इतिहास बन गए।

–वसुंधरा राजे

यह बेहद शर्म की बात है कि भाजपा सरकार में ऐसी आदर्श योजना भी बदनाम हो रही है क्योंकि खांसी की दवाई से मौतें हो रही हैं। राज्य सरकार इन मौतों की जवाबदेही तय करने के बजाय स्वीकार ही नहीं कर रही है।

–अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सुलझाने का धैर्य

कबीरदास अपने जीवनयापन के लिए बुनाई का काम करते थे। एक दिन वे चरखे पर सूत कात रहे थे। अचानक धागा उलझ गया। पास बैठा शिष्य बोला, 'गुरुजी, यह धागा बहुत उलझा हुआ है। इसे काटकर नया धागा शुरू करना ही ठीक रहेगा।' कबीर मुस्कुराए और बोले, 'नहीं बेटा, धागा काटना आसान है, पर उलझे धागे को सुलझाना ही असली साधना है। जीवन भी ऐसा ही है। कठिनाइयों से भाग जाना सरल है, पर धैर्य रखकर उन्हें सुलझाना ही सच्चा ज्ञान है।' शिष्य ने कहा, 'पर गुरुजी, इसमें समय बहुत लगेगा।' कबीर ने उत्तर दिया, 'समय लगना बुरा नहीं, पर अधूरा छोड़ना बुरा है। धागे की तरह ही रिश्ते, समाज और आत्मा भी कभी उलझ जाते हैं। यदि हम उन्हें काट देंगे तो नया आरंभ संभव है, पर अधूरेपन का बोझ हमेशा रहेगा। जो धैर्य से सुलझाना सीख जाता है, वही सच्चा साधक है।' यह सुनकर शिष्य ने समझा कि गुरु केवल चरखा नहीं चला रहे, बल्कि जीवन का गहरा ज्ञान दे रहे हैं। जीवन की कठिनाइयां उलझे धागों की तरह होती हैं। उन्हें काटकर भाग जाना आसान है, पर धैर्य और विवेक से सुलझाना ही सच्ची साधना और सफलता है।

सामयिक

मूल्यों के बिना ज्ञान जड़हीन व ज्ञान के बिना मूल्य शक्तिहीन

डॉ अच्युत सामंत
'कीट', 'कीस', 'कीम्स' संस्थान के संस्थापक

भारतीय सभ्यता के अनादि चिंतन में, शिक्षा और संस्कार ये दो ऐसे शब्द हैं जो हमेशा एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह हैं, ये एक ही वस्त्र में बुने हुए दो धागों की तरह साथ-साथ रहे हैं। शिक्षा, जिसका सामान्य अर्थ ज्ञानार्जन अथवा सीखने से होता है। वहीं संस्कार में बालक के अंत:करण अथवा आंतरिक चरित्र-निर्माण, नैतिक प्रवृत्तियाँ, विनम्रता और उदारता आदि शामिल हैं जो ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग को आकार व स्वरुप देते हैं। जब हम एक को दूसरे से अलग करते हैं, तो हम या तो बुद्धिमान, निंदक लोग पैदा करते हैं या नेकनीयत आदर्शवादी। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना होता है जो ज्ञान को विवेक के साथ जीते हैं। जो हमारी लोकोक्तियों और मिथकों में प्रचलित कहानियों आदि पर विचार करें। श्रीमद्भागवद्गीता में शांतिदूत श्रीकृष्ण द्वारा वीर अर्जुन को दिया गया उपदेश वास्तविक रणनीति का पाठ है। यह वैराग्य और विनम्रता के साथ किए गए कर्तव्य पालन करने की वास्तविक शिक्षा है। महाभारत, अपने विस्तार में, धनुर्विद्या में निपुणता के साथ-साथ चरित्र की दृढ़ता की भी प्रशंसा करता है।

पंचतंत्र की जीवनोपयोगी सभी कहानियों में नैतिकता का गुणगान किया गया है। सभी कहानियां बोधात्मक हैं। ये समस्त उदाहरण हमें याद दिलाते हैं कि भारतीय चिंतन ने हमेशा शिक्षा को चरित्र निर्माण में अंतर्निहित माना है,एक-दूसरे का अन्योन्याश्रय माना है। समस्त परिणामों के लिए संज्ञानात्मक कौशल (जो हम अक्सर कक्षाओं में पढ़ाते हैं) और सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा (हृदय की दृढ़ता) के बीच एक संरक्षण होना आवश्यक है। मस्तिष्क दयालुता और अनुशासित मिट्टी में सबसे अच्छी तरह से ही विकसित होता है। अगर हम उन गुणों का नाम लें जिन्हें आज विकसित किया जाना चाहिए तो एक समूह उभर कर आता है और वह है मानवीय सरोकार, ईमानदारी,वापस देने की आदत, नवोन्मेषी साहस, रुढ़ीवादिता व जड़ता को छोड़ने की आदत, विनम्रता, कृतज्ञता और अर्थ की अनंत मानवीय खोज आदि।

मानवतावाद शिक्षा को बहिर्मुखी बनाता है, यह सीखने को जीवन की बेहतरी का एक सक्षम संसाधन बनाता है। ईमानदारी बुद्धि को चालाकी से बचाती है। वापस देना उपलब्धि को सामाजिक उत्थान में बदल देता है। नवाचार यह सुनिश्चित करता है कि परंपराएँ स्थिर न हों, बल्कि पुराने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए नए साधनों का उपयोग करते हुए, उनमें अनुकूलता हो अपनाएं। विनम्रता विजयोन्माद को रोकती है, कृतज्ञता अधिकार-बोध को रोकती है। इसी भावना से शैक्षिक संस्थान जीवंत मूल्यों की व्यावहारिक प्रयोगशाला बन सकते हैं।

मेरे विचार से, मेरा कीट (कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी), एक क्रियाशील खाका प्रस्तुत करता है। इसकी स्थापना इस दृढ़ विश्वास के साथ की गई थी कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच सामाजिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली साधन है। 'कीट' संस्थान कठोर शैक्षणिक कार्यक्रमों को गहन सामाजिक पहुँच के साथ जोड़ता है। यही दर्शन व सिद्धांत कीट और उसकी सभी सहयोगी संस्थाएं जैसे कीस (कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज) में व्याप्त है। 'कीस', आदिवासी बच्चों के लिए दुनिया का सबसे बड़ा व पूर्णतः नि:शुल्क आवासीय शिक्षण संस्थान है जो शिक्षा और संस्कार को अपने शुद्धतम रूप में प्रस्तुत करता है। 'कीस' अपने लगभग 80,000 से अधिक आदिवासी छात्र-छात्राओं को शिक्षा, संस्कार, पोषण, उत्तम स्वास्थ्य सेवा और सांस्कृतिक संरक्षण प्रदान करता है।

यहाँ साधन और साध्य अविभाज्य हैं। 'कीस' चरित्रवान, ईमानदार और समाजहित तथा देशहित के लिए मानवनिर्माण करने वाली विश्व की एकमात्र शैक्षिक संस्थान है, विश्व का सबसे बड़ा डीम्ड विश्वविद्यालय है। वहीं शैक्षणिक गतिविधियों और कार्यकलापों के अलावा कीट एक जीवंत छात्र समाज संस्कृति का पोषण करता है, जहाँ विविध क्लब, सांस्कृतिक संघ और नवाचार प्रकोष्ठ टीम वर्क, रचनात्मकता और नागरिक जुड़ाव को बढ़ावा देते हैं। कीट-कीस की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) हर साल आर्ट ऑफ़ गिविंग, एजुकेशन फ़ॉर ऑल, न्यू माइंड्स न्यू ड्रीम्स, कन्या किरण और कलिंग फ़ैलोशिप जैसे अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों, पर्यावरण अभियानों और आपदा राहत के लिए हज़ारों छात्र स्वयंसेवकों को संगठित करती है। कीट-कीस ये दो जीवंत प्रयोगशालाएँ हैं जहाँ कर्म के माध्यम से संस्कार सीखे जाते हैं।

किसी भी शैक्षिक संस्था के निर्माण के माध्यम से एक संस्थापक के समस्त शाश्वत मानवीय मूल्य,सामाजिक मूल्य, नैतिक मूल्य,प्रजातांत्रिक मूल्य किसी संस्थान के डीएनए को आकार देते हैं। मेरे अपने विश्वास, प्रत्येक जीवन की पवित्रता और बदले में कुछ देने का कर्तव्य, छात्रों को विरासत से जुड़े रखते हैं और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं। मेरा सादगी भरा जीवन, जिसमें कोई निजी संपत्ति या धन नहीं है, अपने आप में छात्रों के लिए एक संदेश देना है कि सफलता का मापदंड उन जीवनों से है जिन्हें हम आगे बढ़ाते हैं। यह हमें बताता है कि हम अपनी नैतिकता को खोए बिना नवाचार कर सकते हैं, जोखिम उठा सकते हैं, सपने देख सकते हैं, उसे साकार कर सकते हैं और बड़ी से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं।

युवावस्था में जो लोग स्वयं के साथ, दूसरों के साथ और अपनी भावनाओं के साथ तालमेल बिठाना सीख जाते हैं, वे ही भावी जीवन में आगे बढ़ते हैं यह अनुकूलनशीलता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रतिबिंब है। अनुशासन आत्म-नियंत्रण का प्रतीक है। एक सकारात्मक मानसिकता भविष्य को आकार देती है और भीतर से एक प्राकृतिक चमक लाती है जो आशावाद को एक ताकत के रूप में दर्शाती है। उन अस्थायी सुखों का विरोध करना जो प्रियजनों के लिए आजीवन पीड़ा का कारण बन सकते हैं, जिम्मेदारी और दूरदर्शिता का प्रतीक है। परिप्रेक्ष्य ऊँचाई निर्धारित करता है, जिससे दृष्टिकोण सफलता का एक महत्वपूर्ण तेजस्वी बन जाता है। सच्चा विकास अकेलेपन में नहीं बल्कि दूसरों के साथ बढ़ने से, समावेशी प्रगति को अपनाने से प्राप्त होता है जो सभी को एक साथ ऊपर उठाती है। ये अमूर्त सिद्धांत नहीं हैं। ये 'कीट' का जीवंत दर्शन हैं।

यहाँ पर विद्यार्थी केवल शिक्षा प्राप्त नहीं करते अपितु वे यहां पर संस्कारों को जीते हैं, मेरे द्वारा स्थापित उदाहरण के माध्यम से मूल्यों को आत्मसात करते हैं।शिक्षा को संस्कारों के साथ जोड़ने से यह सुनिश्चित होता है कि हम न केवल सक्षम मस्तिष्कों का बल्कि कर्तव्यनिष्ठ हृदयों का भी पोषण करें। भारत में शिक्षा हमेशा से कौशल प्रशिक्षण से कहीं बढ़कर रही है। शिक्षा को संस्कारों से जोड़ना एक पवित्र कर्तव्य रहा है। मूल्यों के बिना ज्ञान जड़हीन है और ज्ञान के बिना मूल्य शक्तिहीन हैं। जब हमारे युवा आधुनिक क्षमता से सुसज्जित होते हैं और हमारी सभ्यता के शाश्वत आदर्शों में दृढ़ होते हैं, तो वे एक आत्मनिर्भर और विश्वगुरु भारत के सच्चे निर्माता बनते हैं। यही वह मिशन है जिसे कीट-कीस के सभी छात्र-छात्राएं,शैक्षिक अधिकारीगण तथा समस्त सहयोगी प्रतिदिन जीते हैं। कीट-कीस संस्थान ऐसे स्नातक तैयार करते हैं जो अपने पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, अपने समुदायों की सेवा करते हैं, और हमारे भारत राष्ट्र की शाश्वत भावना को आगे बढ़ाते हैं।

● लेखक महान शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं जिन्हें अब तक भारत समेत पूरे विश्व के नामी विश्वविद्यालयों से कीर्तिमान कुल 68 मानद डॉक्टरेट की डिग्री मिल चुकी है।

मुद्दा

भारत में खत्म होते रिश्ते

राजभवन
मोबाइल नं. 8700530421

भारत संस्कृतियों का देश है। यहां पर हर राज्य की भाषा, खान-पान, रहन-सहन विभिन्न प्रकार के है। कहा जाता है कि भारत को समझना है तो सबसे पहले हमें भारत के गांवों को घूमकर देखना होगा। गांवों को यदि हम समझते है तो हमें पता चलता है कि मानवता अभी भी जिंदा है। गांव के लोग अभी भी निस्वार्थ आज भी सभी को भोजन कराते है। गांव के लोगों के चेहरे की हंसी आज भी सच्ची है। गांव में हरियाली है। शहरों में केवल पत्थरों के मकान है। साथ ही दिल भी पत्थर के हो गए है। सड़क पर दुर्घटना में लगी चोट वाले व्यक्ति का लोग यहां विडियों बनाते है। सहायता नहीं करते है। इसलिए आज भी शहर वाले लोगों को यदि सकून चाहिए तो वह गांव की तरफ ही रुख करते है। आज गांव में सब कुछ है। लेकिन गांव से शहर की तरफ पलायन आज बड़ी समस्या है। लोग गांव छोड़कर शहरों में बस रहे है। शहरों में मंहगाई बहुत है। घर का किराया देना है, बच्चों की स्कूल की फीस देनी है, ऑफिस आने जाने का खर्चा अलग से है। इसलिए एक परंपरा चल पड़ी है। कि बच्चे दो ही अच्छे। इसी के साथ अब एक और नारा चलने लगा है। छोटा परिवार सुखी परिवार।

कभी हमारे यहां संयुक्त परिवार हुआ करते थे। आज छोटा परिवार यानि एकल परिवार हो गया है। आज परिवारों में केवल एक या दो बच्चे होते है। छोटे परिवार का आज दुष्प्रभाव यह है कि कभी हमारे यहां मामा, मामी, चाचा, चाची, भैया, भाभी, देवरानी, जेठानी, सास, ससुर, नाना, नानी, दादा, दादी, मौसी, मौसा, फुआ/बुआ, फुफा, साढु, सढुआइन, जीजा, साली, माता, पिता, भाई, बहन आदि में से बहुत से रिश्ते आज खत्म होने के समीप है। ऊपर से इस अंग्रेजी के शब्दों ने हमारे कई रिश्तों के लिए एक ही शब्द गढ़ दिए गए है जैसे मामा- मामी, चाचा- चाची, मौसी-मौसा, फुआ/बुआ-फुफा के लिए अंग्रेजी में केवल एक ही शब्द काफी है वह है अंकल और आंटी।

मानकर चलते है कि एक परिवार छोटा है तो उसमें मां-बाप और एक बेटा या बेटी ही है। अब बेटे या बेटी की शादी होती है उसके बाद उसके एक बेटा या बेटी होता/होती है। तो अब वह सब किसको मौसा-मौसी, बुआ-फुफा, मामा-मामी, भैया-भाभी, चा-चाची और जीजा-साली कहेंगें। एक भाई या बहन न होने से यह सभी रिश्ते समाप्त होने की कगार पर आ गए है। निकट भविष्य में इनमें से बहुत से रिश्ते खत्म हो जाएगें और हमारी आने वाली पीढ़ी पूछेगी कि ये सब कौन से रिश्ते होते थे।

नजरिया

शरद पूर्णिमा - अमृत बरसाती चांदनी और माता लक्ष्मी की कृपा

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

शरद पूर्णिमा का पर्व हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और महत्त्वपूर्ण माना गया है। आश्विन मास की पूर्णिमा को यह उत्सव मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन समुद्र मंथन के दौरान मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं और उन्होंने भगवान विष्णु को अपना पति स्वीकार किया। तभी से यह दिन लक्ष्मी पूजन और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इस रात देवी लक्ष्मी धरती पर भ्रमण करती हैं और अपने जाग्रत भक्तों को आशीर्वाद देती हैं। इसीलिए इसे कोजागरी पूर्णिमा भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है-कौन जाग रहा है। विश्वास है कि इस रात जो भी जागकर भक्ति करता है, उस पर देवी लक्ष्मी प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाती हैं। इस वर्ष शरद पूर्णिमा सोमवार, 6 अक्टूबर 2025 को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि का आरंभ दोपहर 12 बजकर 24 मिनट पर होगा और इसका समापन अगले दिन 7 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 18 मिनट पर होगा। चूंकि परंपरा के अनुसार व्रत उस दिन किया जाता है जब पूर्णिमा तिथि संध्या के समय होती है, इसलिए पूजा-व्रत 6 अक्टूबर को ही संपन्न होंगे।

शरद पूर्णिमा की रात का विशेष महत्व है क्योंकि इस दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण दिखाई देता है और उसकी किरणों को अमृतमयी माना जाता है। जनश्रुति है कि इस रात चंद्रमा की चांदनी अमृत बरसाती है और उसके प्रभाव से धरती पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यही कारण है कि इस दिन खीर बनाने और उसे खुले आकाश तले चांदनी में रखने की परंपरा है। रातभर रखी खीर को प्रातःकाल प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जिससे स्वास्थ्य लाभ, मानसिक शांति और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। इस पर्व से जुड़ी एक कथा भी प्रचलित है। कहा जाता है कि एक व्यापारी की दो बेटियां थीं, जो धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। बड़ी बेटी पूर्णिमा के व्रत-उपवास में अत्यंत निष्ठावान थी और पूर्ण श्रद्धा से व्रत करती थी, जबकि छोटी बेटी व्रत तो करती थी, लेकिन पूर्ण नियमों का पालन नहीं करती थी और संध्या से पहले ही भोजन कर लेती थी। विवाह के बाद बड़ी बहन को पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई और उसका परिवार सुखी रहा, जबकि छोटी बहन की संतान जीवित नहीं रहती थी। इससे दुखी होकर उसने एक महात्मा से उपाय पूछा। महात्मा ने बताया कि उसका मन ईश्वर भक्ति में एकाग्र नहीं होता, इसलिए उसे यह कष्ट भोगना पड़ता है। उन्होंने उसे शरद पूर्णिमा का व्रत विधिपूर्वक करने का उपदेश दिया। छोटी बहन ने व्रत तो किया, लेकिन पुत्र जीवित न रह सका। तभी बड़ी बहन वहां आई और संयोग से जब उसके वस्त्र शिशु से स्पर्श हुए तो मृत शिशु जीवित हो उठा। यह देखकर छोटी बहन को व्रत की महिमा का बोध हुआ और उसने श्रद्धा से व्रत किया। तभी से इस व्रत का महत्व और भी बढ़ गया।

इस रात विशेष पूजन और उपाय करने का विधान है। चंद्रमा को अर्घ्य देना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके लिए स्वच्छ जल से भरे लोटे में चावल और फूल डालकर चंद्रमा को अर्पित किया जाता है। चंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए ॐ श्रीं श्रीं चन्द्रमसे नमः मंत्र का जाप लाभकारी माना गया है। देवी लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए इस रात उनके मंत्रों का 108 बार जप करने से धन-धान्य की प्राप्ति होती है। विशेषकर ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं त्रिभुवन महालक्ष्म्यै अस्माकं दारिद्रय नाशय प्रचुर धनं देहि देहि क्लीं ह्रीं श्रीं ॐ या ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः मंत्र का जाप करना अत्यंत फलदायी माना गया है। इस रात तुलसी पूजन का भी महत्व है। तुलसी के पास शुद्ध घी का दीपक जलाकर माता को प्रणाम करना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

शरद पूर्णिमा केवल धार्मिक आस्था का पर्व ही नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। कहा जाता है कि इस समय चंद्रमा की किरणें शरीर और मन पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। ये किरणें मन को शांति, ताजगी और ऊर्जा प्रदान करती हैं। इसलिए इस रात ध्यान, भजन-कीर्तन और साधना करने की परंपरा है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और समृद्धि का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि नियमपूर्वक और निष्ठा के साथ किए गए व्रत-उपवास ही जीवन में वास्तविक फल प्रदान करते हैं। इस दिन मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा एक साथ प्राप्त होती है और भक्त की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही कारण है कि शरद पूर्णिमा हर वर्ष बड़ी आस्था और उल्लास के साथ मनाई जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तैयारी

पश्चिम बंगाल के नादिया में रविवार को 'लक्ष्मी पूजा' उत्सव की तैयारियों के तहत एक लड़की देवी लक्ष्मी की मिट्टी की मूर्ति लेकर जाती हुई।

नेपाल में बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ में 51 लोगों की मौत

काठमांडू/भाषा। पूर्वी नेपाल में विभिन्न स्थानों पर कल रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ आई, जिसके कारण रविवार सुबह तक कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई।

सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता कालिदास धौवजी ने बताया कि पिछले दो दिनों में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण कोशी प्रांत में इल्लम जिले के विभिन्न स्थानों पर कम से कम 37 लोगों की मौत हुई है।

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इन 37 लोगों में से देउमाई और माईजोगमाई नगरपालिका क्षेत्रों में आठ- आठ लोगों की मौत हुई, इल्लम नगरपालिका और संदकपुर ग्रामीण नगरपालिका में छह-छह, मंगसेबुंग में तीन और फाकफोकथुम गांव में एक व्यक्ति की मौत हुई है। बाढ़ और भूस्खलन के कारण उदयपुर में दो और पंचथार में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा, रौतहट में बिजली गिरने से तीन और खोतांग जिले में दो लोगों की मौत हो गई।

इस बीच, पंचथार जिले में भारी बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण हुई एक दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई।

रसुवा जिले के लांगटांग संरक्षण क्षेत्र में उफनती नदी में बह जाने से कम से कम चार लोग लापता हो गए, और इल्लम, बारा तथा काठमांडू में बाढ़ की घटनाओं में एक-एक व्यक्ति लापता हैं।

धौबाजी ने बताया कि लांगंग क्षेत्र में ट्रैकिंग अभियान पर गए 16 लोगों में से चार लोग भी लापता हो गए हैं। नेपाल सेना, नेपाल पुलिस और एपीएफ के जवान बचाव अभियान में शामिल हैं। सुरक्षाकर्मियों ने विमान से इल्लम जिले से एक गर्भवती महिला सहित चार लोगों को बचाया और उन्हें धरान नगरपालिका के एक अस्पताल में भर्ती कराया। नेपाल के सात प्रांतों में से पांच प्रांतों में मानसून सक्रिय है जिनमें कोशी, मधेश,बागमती, गण्डकी और लुम्बिनी शामिल हैं।

पड़ोसी देश को मदद की पेशकश करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, नेपाल में भारी बारिश से हुई जनहानि और क्षति दुखद है।

इस कठिन समय में हम नेपाल की जनता और सरकार के साथ हैं। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, एक मित्रवत पड़ोसी और प्रथम प्रतिक्रियादाता के रूप में, भारत हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रक्षा मंत्री आसिफ ने भारत को पाकिस्तान के साथ भविष्य में किसी भी सैन्य संघर्ष के खिलाफ चेतावनी दी

इस्लामाबाद/भाषा। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रविवार को भारत को पाकिस्तान के साथ भविष्य में किसी भी सैन्य संघर्ष के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी शत्रुता की स्थिति में मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। आसिफ की यह प्रतिक्रिया भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा पाकिस्तान को किसी भी दुस्साहस के खिलाफ चेतावनी दिए जाने के कुछ दिनों बाद आई है।

एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय हमलों में एफ-16 जेट सहित कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हो गए।भारत यह कहता रहा है कि मई में भारतीय सेना द्वारा विभिन्न पाकिस्तानी सैन्य ढांचों पर बमबारी के बाद पाकिस्तान ने संघर्ष समाप्त करने की गुहार लगाई थी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री आसिफ ने नई दिल्ली के शीर्ष सुरक्षा प्रतिष्ठान के ''भड़काऊ बयानों'' को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। आसिफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, भारतीय सेना और राजनीतिक नेतृत्व के बयान उनकी धूमिल प्रतिष्ठा को बहाल करने का एक असफल प्रयास हैं। 0-6 के स्कोर वाली इतनी निर्णायक हार के बाद, अगर वे फिर से कोशिश करेंगे।

न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को पोर्टलैंड में सैनिक तैनात करने से अस्थायी रूप से रोका

पोर्टलैंड/एपी। अमेरिका में ओरेगन राज्य के एक संघीय न्यायाधीश ने राज्य और उसके शहर पोर्टलैंड द्वारा दायर एक मुकदमे में फैसला सुनाते हुए देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के पोर्टलैंड में 'नेशनल गार्ड' तैनात करने के आदेश पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन ने केंद्रीय अधिकारियों और संपत्ति की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ड तैनात करने का आदेश दिया था।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश करिन इमरगुट ने मुकदमे में बहस लंबित रहने तक यह आदेश जारी किया। वादियों का कहना है कि 'नेशनल गार्ड' की यह तैनाती अमेरिकी संविधान के साथ-साथ उस संघीय कानून का भी उल्लंघन है जो आम तौर पर घरेलू कानूनों को लागू करने में सेना के इस्तेमाल पर रोक लगाता है।

इमरगुट ने अपने आदेश में लिखा कि यह मामला तीन मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांतों के परस्पर संबंध से जुड़ा है: ''संघीय सरकार और राज्यों के बीच संबंध, सेना और घरेलू कानून प्रवर्तन के बीच संबंध और सरकार की कार्यपालिका, विधानपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन। न्यायाधीश ने कहा कि आम तौर पर राष्ट्रपति उन परिस्थितियों में 'नेशनल गार्ड' सैनिकों की तैनाती का आदेश दे सकते हैं जब नियमित कानून प्रवर्तन बल अमेरिका के कानूनों का पालन नहीं कर पाते लेकिन पोर्टलैंड में ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वादियों ने यह साबित किया कि राष्ट्रपति के आदेश से पहले पोर्टलैंड आव्रजन केंद्र में हुए प्रदर्शन अधिक हिंसक या विघटनकारी नहीं थे। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति का यह निर्णय तथ्यों से बिल्कुल परे है। रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि वह ओरेगन के 'नेशनल गार्ड' के 200 सदस्यों को 60 दिनों के लिए संघीय नियंत्रण में रख रहा है ताकि उन जगहों पर संघीय संपत्ति की सुरक्षा की जा सके जहां प्रदर्शन हो रहे हैं या होने की संभावना है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एवं इलिनोइस के गवर्नर जेबी प्रित्जकर ने शनिवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन इलिनोइस के नेशनल गार्ड के 300 सैनिकों का संघीयकरण करने की योजना बना रहा है, जो अमेरिकी शहरों में राष्ट्रपति द्वारा संघीय हस्तक्षेप की हालिया वृद्धि को दर्शाता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस

जयपुर में रविवार को बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी (दाएँ) और डिजिटल फाउंडेशन 'आधारशिला' की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान।

मेरे लिए फैशन वह है जो आरामदायक हो : त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में इन दिनों बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक 2025 चल रहा है। इसमें बॉलीवुड और टीवी की कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया। यहां लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यंका त्रिपाठी दहिया भी दिखाई दीं। उन्होंने आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में फैशन और ब्रांड्स पर अपने विचार साझा किए। इस दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए फैशन का क्या मतलब है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह ब्रैंड के प्रति ज्यादा लगाव रखती हैं, तो दिव्यंका ने कहा, 'नहीं, मैं ब्रैंड पर ज्यादा ध्यान नहीं देती। मैं अपनी पसंद की चीजें लेना पसंद करती हूं, चाहे उनका ब्रांड कुछ भी हो। अगर वह मुझे पसंद आती है, तो वह अधिक महत्वपूर्ण है। जो मुझे सूट करता है और जो मुझे पसंद है, मैं वही चुनती हूं, चाहे उसका ब्रांड कुछ भी हो। उनके लिए फैशन के क्या मायने हैं, इस बारे में आगे बात करते हुए दिव्यंका ने बताया, मेरे लिए फैशन वह सब कुछ है जो आरामदायक हो। हां, यह आंखों को भाने वाला होना चाहिए, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि यह मेरे लिए आरामदायक होना चाहिए। जो भी चीज आरामदायक होने के साथ-साथ आकर्षक भी हो, वह फैशन है, चाहे वह सादा हो या शानदार। दिव्यांका त्रिपाठी अक्सर सार्वजनिक कार्यक्रमों में भारतीय परिधानों में दिखाई देती हैं। उनके फैशन सेंस का लोग जमकर तारीफ करते हैं। वह पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के परिधानों को अच्छी तरह से कैरी करती दिखाई देती हैं। दिव्यांका को टीवी सीरियल 'बनू मैं तेरी दुल्हन' से प्रसिद्धि मिली। इसके बाद वो सीरियल 'ये है मोहब्बतें' में डॉ. इशिता भल्ला की भूमिका निभाकर लोगों के दिलों में बस गईं। यह भारतीय टीवी सीरियल्स के लोकप्रिय पात्रों में से एक है। फैंस उन्हें प्यार से 'इशिमा' भी कहते हैं, जो शो में उनकी ऑनस्क्रीन बेटी उन्हें कहकर बुलाती है। दिव्यांका ने 2016 में अभिनेता विवेक दहिया से शादी की। यह कपल अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को फिटनेस और कपल गोल्स की प्रेरणा देता दिखाई देता है। यह कपल टीवी जगत की पसंदीदा जोड़ियों में से एक है।

मैं चिंकी और मिंकी के साथ कोई संपर्क नहीं रखना चाहती : कृष्णा श्रॉफ

मुंबई/एजेन्सी

रियलिटी शो 'छोरिया चली गांव' को उसका विनर मिल चुका है। अभिनेत्री अनीता हसनंदानी ने इसकी पहली टॉफी अपने नाम की, जबकि शो की पहली रनर-अप कृष्णा श्रॉफ रहीं। उनका यह पहला रियलिटी शो था, जिसमें उनकी भागीदारी दर्शकों को काफी पसंद आई। उन्होंने आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की। साथ ही बताया कि 'छोरिया चली गांव' में उनका फेवरेट कंटेस्टेंट कौन था और किसके साथ वह रिश्ता नहीं रखना चाहतीं। जब उनसे आईएएनएस ने पूछा कि क्या वह शो में किसी खास प्रतियोगी के संपर्क में नहीं रहना चाहेंगी, तो इसका जवाब देते हुए कृष्णा ने कहा, सच कहूं तो ज्यादातर लोग मेरे लिए मायने नहीं रखते, लेकिन अगर किसी का नाम लेना हो, तो मैं चिंकी और मिंकी का जिक्र करूंगी। यह उनकी पर्सनैलिटी का सवाल नहीं, बल्कि परिपक्वता की बात है। समझना जरूरी है कि कब और कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

शो की विनर अनीता हसनंदानी के बारे में बात करते हुए कृष्णा श्रॉफ ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, शो में अनीता से हारना मेरे लिए स्वीकार्य था। मुझे खुशी है कि

उन्होंने मुझे हराया, क्योंकि वह मेरी सबसे मजबूत प्रतियोगी और शो की सबसे अनुभवी महिला थीं। उन्होंने कभी भी व्यक्तिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया और सिर्फ प्रतियोगिता पर फोकस रखा। मैं उनकी इस खासियत का पूरा सम्मान करती हूं।

शो का फिनाले कृष्णा श्रॉफ और उनके परिवार के लिए बहुत ही खास रहा। इस दौरान कृष्णा की मां आयशा भी यहां मौजूद रहीं। रियलिटी शो का परिणाम सामने आने से पहले ही उन्होंने बताया था कि उनकी बेटी ही उनके लिए विनर हैं।वहीं शो में भाग लेने से पहले अभिनेता और उनके पिता जैकी श्रॉफ ने कहा था कि इस शो में हिस्सा लेने के बाद उनकी जिंदगी बदल जाएगी और यहां से वह अनमोल अनुभव लेकर वापस लौटेंगी। कृष्णा श्रॉफ ने ही कहा था कि वह अपने पिता के प्रेरित करने के बाद ही इस शो का हिस्सा बनने को तैयार हुई थीं।

नेहा कक्कड़ के गाने 'एक तो कम जिंदगानी' पर झूमी एक्ट्रेस श्वेता शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी इंडस्ट्री में अब डांस और एक्टिंग के अलावा सोशल मीडिया पर भी कलाकारों की खास मौजूदगी देखने को मिलती है। आज के दौर में इंस्टाग्राम फैंस से जुड़ने का एक आसान और मजेदार जरिया बन गया है, जहां कलाकार अपनी जिंदगी के छोटे-छोटे पल, परफॉर्मेंस और खास इवेंट्स की झलकियां फैंस के साथ साझा करते हैं। इस कड़ी में रविवार को भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय एक्ट्रेस श्वेता शर्मा ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो पोस्ट किया। पोस्ट ने उनके फैंस के बीच काफी चर्चा बटोरी है। इस वीडियो में श्वेता शर्मा ने अपनी जबरदस्त डांसिंग स्किल्स दिखाते हुए नेहा कक्कड़ के गाने 'एक तो कम जिंदगानी' पर परफॉर्म किया है, जो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है। श्वेता शर्मा के इस इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने एक इवेंट में अपनी परफॉर्मेंस का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह बड़े ही जोश के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। उनका डांस इतना खूबसूरत और दमदार है कि हर कोई उनके वीडियो को दोबारा जरूर देख रहा है। वीडियो में वह नेहा कक्कड़ और यश नारवेकर के गाने 'एक तो कम जिंदगानी' पर नोरा फतेही की स्टाइल में डांस करती दिख रही हैं। अपने शानदार डांस मूव्स से श्वेता ने स्टेज पर धमाल मचा दिया। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'प्यार दो प्यार लो' पर पावर पैक और एनर्जेटिक परफॉर्मेंस। स्टेज पर मजा दिया धमाल। प्योर वाइब्स। ऑडियंस ने भरपूर एन्जॉय किया। बात करते हैं गाने 'एक तो कम जिंदगानी' की, तो इस गाने को नेहा कक्कड़ और यश नारवेकर ने गाया है। वहीं म्यूजिक तनिष्क बागची ने दिया है। यह गाना एक पुराने क्लासिक गीत 'प्यार दो प्यार लो' का रीमिक्स वर्जन है, जो पहले सपना मुखर्जी ने गाया था। बता दें कि हाल ही में श्वेता शर्मा को पवन सिंह के गाने 'घाघरी' के लिए खूब सराहना मिली। म्यूजिक वीडियो में उनके ग्लैमरस लुक ने चार चांद लगा दिए।

रश्मिका मंदाना की राह पर कृति शेट्टी

मुंबई/एजेन्सी

कृति शेट्टी साउथ इंडिया सिनेमा में बहुत कम समय में तेज़ी से एक नया नाम बनकर उभर रही हैं, जिस पर ध्यान देना ज़रूरी है। अपनी बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस, स्वाभाविक आकर्षण और उप्पेना, श्याम सिंघा रॉय, बंगाराजु और द वॉरियर जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने बहुमुखी अभिनय के साथ, उन्होंने दर्शकों और फिल्म निर्माताओं, दोनों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। जिस तरह एक समय में रश्मिका मंदाना ने पूरे देश में लोकप्रियता हासिल की थी, उसी तरह कृति भी अपनी शानदार अभिनय क्षमता और सादगी भरी मौजूदगी से उसी दिशा में आगे बढ़ती दिख रही हैं। जो उन्हें अपनी पीढ़ी के सबसे होनहार चेहरों में से एक बनाता है। काफी कम समय में, कृति ने प्रभावशाली भूमिकाओं का एक ऐसा संग्रह तैयार किया है। जिन किरदारों को कृति ने निभाया है, वे दिखाते हैं कि वह अलग-अलग जॉनर में चाहे रोमांस हो या गंभीर ड्रामा उनमें खुद को ढालने में पूरी तरह सक्षम हैं। उनके अभिनय में भावनात्मक जुड़ाव और कैमरे के सामने सहजता, उन्हें अपने समकालीन कलाकारों की तुलना में अलग पहचान दिलाती हैं। अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा आत्मविश्वास और परिपक्वता दिखाने वाली कृति की यही खूबियाँ उन्हें उस इंडस्ट्री में अलग बनाती हैं जो हमेशा नई टैलेंट की तलाश में रहती है। कृति शेट्टी की पहचान सिर्फ एक मौजूदा लोकप्रिय कलाकार के रूप में नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद और टिकाऊ स्टार के रूप में बन रही है। वे अपने करियर में ऐसे किरदार और कहानियाँ चुन रही हैं जो न केवल उन्हें अभिनय का पूरा अवसर देते हैं, बल्कि व्यापक दर्शकों से जुड़ने का मौका भी। यह युवा अभिनेत्री, तेजी से बढ़ता फैन-बेस और कई भाषाओं की फिल्मों में उनकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि कृति आने वाले समय में पैन इंडिया सुपरस्टार की श्रेणी में शामिल होने की राह पर हैं, और तेज़ी से दक्षिण सिनेमा की अगली बड़ी हस्ती बनती जा रही हैं।

कैसे विनोद खन्ना ने विलेन की छवि को तोड़कर हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार का मुकाम किया हासिल ?

मुंबई/एजेन्सी

विनोद खन्ना हिंदी सिनेमा के उन चुनिंदा सितारों में से एक थे, जिनका सफर नेगेटिव रोल से हीरो बनने तक बेहद खास और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने न सिर्फ अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज किया, बल्कि एक अलग पहचान भी बनाई। विनोद खन्ना ने अपनी शुरुआत फिल्मों में खलनायक के रूप में की, लेकिन उनके लुक और दमदार अभिनय ने उन्हें जल्द ही हीरो का किरदार दिलवा दिया। विनोद खन्ना का जन्म 6 अक्टूबर 1946 को पेशावर (अब पाकिस्तान) में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। बंटवारे के वक्त परिवार बाद में भारत आकर मुंबई में बस गया। एक्टिंग में उनकी दिलचस्पी बचपन से ही थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाने का फैसला किया। हालांकि उनके पिता शुरुआत में इसके खिलाफ थे, लेकिन बेटी की मेहनत और लगन को देख वह भी राजी हो गए और विनोद को अपना सपना पूरा करने का मौका दिया। साल 1968 में विनोद खन्ना को पहली बड़ी सफलता मिली जब उन्हें फिल्म 'मन का मीत' में खलनायक का रोल मिला। उस समय हिंदी फिल्मों में विलेन या नेगेटिव रोल निभाना आसान नहीं था, लेकिन विनोद ने इसे अपनी ताकत बना लिया। अपने डैशिंग लुक और एक्सप्रेशन के दम पर उन्होंने नेगेटिव रोल में भी खुद को साबित कर दिखाया। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में विलेन की भूमिका निभाई और दर्शकों के दिलों में अपनी अलग जगह बनाई। लेकिन उनकी नियति में हीरो बनना भी लिखा था।

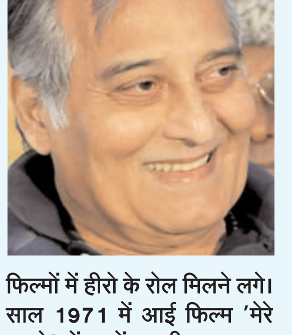

धीरे-धीरे विनोद खन्ना को फिल्मों में हीरो के रोल मिलने लगे। साल 1971 में आई फिल्म 'मेरे अपने' में उन्हें पहली बार मुख्य भूमिका में देखा गया, जिससे उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ। यह फिल्म दर्शकों के बीच इतनी पसंद की गई कि विनोद खन्ना ने अपना नाम एक हीरो के तौर पर पक्का कर लिया। इसके बाद उनकी कई हिट फिल्में आईं, जैसे 'मेरा गांव मेरा देश', 'अमर अकबर एंथोनी', 'कुर्बानी', और 'दयावान'। इन फिल्मों ने साबित कर दिया कि वह सिर्फ विलेन ही नहीं, बल्कि बेहतरीन हीरो भी हैं।

विनोद खन्ना की खास बात यह थी कि उन्होंने कभी खुद को स्टारडम में फंसने नहीं दिया। वे अपनी मेहनत और सादगी से हमेशा सबका दिल जीतते रहे। उन्होंने अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना और सुनील दत्त जैसे दिग्गजों के साथ काम किया, लेकिन अपनी अलग पहचान बनाई। 'अमर अकबर एंथोनी' और 'मुकद्दर का सिकंदर' जैसी फिल्मों में उनकी जोड़ी अमिताभ बच्चन के साथ दर्शकों की फेवरेट रही। उनका करियर इतना शानदार था कि 1980 के दशक में वे इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेताओं में शामिल थे। लेकिन इसी दौर में उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया। 1982 में वह अपने आध्यात्मिक गुरु ओशो की शरण में चले गए और फिल्मों से दूरी बना ली। करीब पांच साल बाद 1987 में फिल्म 'इंसाफ' से उन्होंने वापसी की, और फिर से दर्शकों के दिलों पर राज किया।

विनोद खन्ना को उनके अभिनय के लिए कई पुरस्कार मिले। उनके अभिनय की तारीफ हर जगह हुई और फिल्मी जगत ने उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया। इसके अलावा, वह राजनीति में भी सक्रिय रहे और भाजपा के नेता के तौर पर कई बार लोकसभा चुनाव जीत चुके थे। 27 अप्रैल 2017 को विनोद खन्ना का निधन हो गया। कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन आज भी उनकी यादें और उनकी फिल्मों का जादू दर्शकों के दिलों में बसा हुआ है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी के सान्निध्य व डॉ. वरुणमुनिजी की प्रेरणा से आयोजित गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव स्थानीय गुजराती वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।

चलते फिरते तीर्थ थे उपाध्यायश्री पुष्कर मुनि : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

गुरुवन्ना देवरु मठ परिसर में पुष्करमुनिजी 116वीं जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति के तत्वावधान में उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, उपप्रवर्तिनी सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी के सान्निध्य में उपाध्याय पुष्करमुनिजी की 116 वीं जयंती 3-3 सामायिक व्रत आराधना व पंच दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम की पूर्णाहुति के साथ रविवार को मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब व चंडीगढ़ के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया उपस्थित थे। नरेशमुनिजी ने साधना के शिखर पुरुष उपाध्यायश्री पुष्करमुनिजी की जयंती पर उनके बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि पुष्कर मुनि जी महाराज चलते फिरते तीर्थ थे। उन्होंने देश के अनेक राज्यों में विचरण करते हुए भगवान महावीर के जिनशासन की महत्ती प्रभावना करते हुए अहिंसा, सत्य, सदाचार, मानवता धर्म का प्रचार प्रसार करते हुए सभी श्रद्धालुओं के हृदय में अपनी गहरी छाप छोड़ी और संपूर्ण भारत वर्ष के साथ विश्व पटल पर जन जन की आस्था केन्द्र बन कर विश्व सन्त के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त की। नरेशमुनिजी कहा कि यह भारत की भूमि संत ऋषि मुनियों की पावन भूमि है।उनका जल कमलवत निर्लिप्त जीवन मानव मात्र के लिए एक आदर्श प्रेरणा स्रोत था। उन्होंने गुरुदेव के अनेक विशिष्ट गुण विशेषकर पिण्डबल, भुजाबल, पुण्यबल, प्रज्ञाबल और प्रभुबल के माध्यम से गुणगान करते हुए उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत महान साधक सन्त शिरोमणि बताया। ङ्गङ्गशालिभद्रमुनि जी ने उपाध्याय श्री पुष्कर मुनिजी के गुण स्मरण करते हुए उन्हें बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व का धनी महान संयमी शिरोमणि महापुरुष बताया। उन्होंने कहा कि गुरु के प्रति निष्ठा और समर्पण भाव रखना चाहिए, जिससे गुरु हमारे जीवन को कल्याण की दिशा में आगे बढ़ा देते हैं। साध्वी सत्यप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी, समृद्धिश्रीजी, तरुणशीलाजी, निर्मलाश्रीजी ने पुष्करगुरुजी के गुणों का स्मरण करते हुए उन्हें ज्ञान, दर्शन और चरित्र साधना का त्रिवेणी संगम बताया।ङ्गङ्गइस अवसर पर गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि उपाध्यायश्री पुष्कर मुनि जी का जीवन प्रेरणा का स्रोत है। वे मेरे परिवारिक गुरु हैं। उन्होंने जैन समाज में पंचसितारा होटल व रात्रि में होने वाली शादियों व समाज में बढ़ती कुरीतियों को रोकने की बात कही। उन्होंने कहा कि मैं उपप्रवर्तक नरेशमुनि जी में भी गुरुदेव श्री पुष्कर मुनि जी की निर्मल छवि नजर आती है। सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मुमुक्षु लवेश की दीक्षा के लिए 25 जनवरी का मुहूर्त घोषित हुआ। दीक्षा गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना भवन में होगी व मीठालाल भरतकुमार भंसाली व जवरीलालजी उत्तमचंद रातड़िया परिवार ने लाभ लिया। कार्यक्रम में कर्नाटक के विभिन्न शहरों, पूना, इचलकरंजी आदि शहरों से गुरु भक्त शामिल हुए। मैसूरु, पूना, इचलकरंजी आदि अनेक संघों ने नरेशमुनिजी से आगामी चातुर्मास के लिए निवेदन किया। कार्यक्रम का संचालन सुमेर कोचर गंगावती ने किया। सभी को धन्यवाद चातुर्मास समिति के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने किया। इस मौके पर ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। युवा मंडल, महिला मंडल, बालिका मंडल ने व्यवस्था सँभाली।

भारतीय संत परंपरा के मुकुटमणि थे अमर गुरुदेव : राज्यपाल गहलोत

- गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव आयोजन में हुआ संतों का गुणगान
- नौ जैन श्रमणों के जन्म-दीक्षा व पुण्यतिथि समारोह सम्पन्न
- पंकजमुनि को 'राष्ट्रसन्त' व वरुणमुनि को 'भारत गौरव' अलंकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी के सान्निध्य व डॉ. वरुणमुनिजी की प्रेरणा से आयोजित गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव स्थानीय गुजराती वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर उपस्थित साध्वीश्री रिद्धिजी व पावनरत्नाजी ने अपने अपने उद्बोधन में जहां गुरुदेवों की महानता को श्रमणसंघ में उच्चस्थ बताया वहीं उन्होंने डॉ. वरुणमुनिजी को इस ऐतिहासिक, अनुशासित आयोजन के लिए बधाई दी। जैन संत बसंतमुनिजी, पुलकितमुनिजी व साध्वी उपासनाजी ने प्रवर्तकश्री अमरमुनि जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। डॉ वरुणमुनिजी ने सभी महापुरुषों के जीवन के गुणों का बखान करते हुए जिनशासन में उनके योगदान के बारे में बताया तथा प्रथम जैनाचार्यश्री आत्मारामजी, युवाचार्यश्री शुक्लचन्द्रजी, भंडारीश्री पद्मचन्द्रजी, आचार्यश्री शिवमुनिजी सहित सभी संतों की श्रमणचर्या को उत्तम बताया। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक प्रदेश के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने जैन धर्म की शिक्षाओं को समाजहित में सदैव प्रासंगिक बताते हुए कहा कि जिस प्रकार पुरातन काल में भगवान महावीर की शिक्षाएँ यथेष्ट थीं वैसे ही आज सम्पूर्ण विश्व को उन उपदेशों की परम आवश्यकता है, मानव को उन्हें अपने जीवन आचरण में अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में तन, मन, आत्मा और पर्यावरण की शुद्धि तथा विश्व कल्याण हेतु मंत्र जाप की परंपरा रही है। हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा रचित ये मंत्र मंगलमय ध्वनियों से परिपूर्ण है।

महान तपस्वी अमरमुनिजी की जीवन यात्रा एक प्रेरक ग्रंथ है, जिसमें संयम, सेवा, साधना और समर्पण के अनेक अध्याय हैं। अमरमुनिजी के तपस्वी जीवन की अमृततुल्य स्मृतियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं, जो समाज, संस्कृति और संयम के अद्वितीय साधक थे। गुरुदेव न केवल जैन धर्म के महान संत थे, बल्कि भारतीय संत परंपरा के मुकुटमणि भी थे। उनके जीवन ने संयम, सेवा और आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में समरसता, नैतिकता, आध्यात्मिक और नैतिक जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा। गुरुदेव प्रवर्तक श्री अमरमुनिजी ने सचित्र जैन आगम द्वारा अपनी वाणी को पूरे विश्व में पहुंचाया, जो कि सराहनीय कार्य है। राज्यपाल गहलोत ने श्री पंकजमुनिजी को 'राष्ट्रसन्त' तथा ओजस्वी प्रवचनकार श्री वरुणमुनिजी म. को 'भारत गौरव' के प्रतिष्ठित अलंकरण से विभूषित किया। राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया ने गुरुदेव श्री अमरमुनि जी म. का स्मरण किया।

महोत्सव में गुरु अमर संयम अमृत वर्ष आयोजन समिति चेयरमैन महेन्द्र जैन ने श्रमणसंघ के महान संतों के जीवन का गुणगान किया। श्रुताचार्य गुरुदेव अमरमुनिजी द्वारा लिखित अनेक आगमों का विमोचन भी किया गया, जिसमें भक्तामर महिमा, उत्तराध्ययन सूत्र (चतुर्थ संस्करण) का विमोचन वजीरचंद जैन ने, सचित्र भगवती सूत्र(भाग-आठ) आगम का विमोचन दिल्ली के अनिल जैन ने, सचित्र अमर कथा पुस्तक का विमोचन पंजाब से आए सन्दीप जैन ने किया। इस मौके पर गुजराती संघ के प्रमुख राजेश मेहता को 'संघ शिरोमणि दानवीर भामाशाह सम्मान' से विभूषित किया गया।कार्यक्रम में 'संयम अमृत लोगो' के सप्त सन्देश पर आधारित धार्मिक चित्रकला प्रदर्शनी लगाई गई व गुरु वरुण संयम जीवन पर आधारित चलचित्र सीडी का लोकार्पण किया गया, जिसमें डॉ. श्वेता राठौड़ का सहयोग मिला। कार्यक्रम में 5 सोने व 70 चांदी के सिक्के के लाभार्थी चेतन रैदासनी, विश्व शान्ति जाप प्रसाद के लाभार्थी महेन्द्र जैन, समारोह के अल्पाहार के लाभार्थी अखिल भारतीय श्रुताचार्य श्री गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव आयोजन समिति, गौतम प्रसादी के लाभार्थी गुजराती वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, की-चेन प्रभावना के लाभार्थी सम्पतलाल, अरविन्द कुमार ढीलीवाल, वैय्यावच्च के लाभार्थी दिनेश रिषभ ढीलीवाल को धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम में डीके जैन द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। गुजराती जैन युवक मण्डल के अध्यक्ष वरुण गाँधी, महिला मण्डल की अध्यक्षा सीमाबेन पारेख व उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली। इस मौके पर बेंगलूरु सहित पूरे देश से विशेषकर गुरु पद्म-अमर सेवा समिति व फाउंडेशन से बड़ी संख्या में गुरु भक्त शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ श्वेता राठौड़ ने किया।

जीतो नार्थ लेडीज विंग द्वारा विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जीतो (जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन) लेडीज विंग नॉर्थ द्वारा तेरापंथ भवन, गांधीनगर में शनिवार को आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना व मंत्री विजेता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। सह संयोजिका मधु बरलोटा ने गीतिका प्रस्तुत की। संयोजिका अलका लोढ़ा ने मुनिश्री का परिचय दिया। मुनि पुलकित कुमारजी ने कहा कि जीवन की सरलता तीन सूत्रों में है रहना प्रसन्नता से, सहना समता से और कहना मधुरता से। उन्होंने महापुरुषों के उदाहरण देते हुए बताया कि भगवान महावीर ने उपसर्गों को सहकर आत्मा की पहचान बनाई, जो हम सभी के लिए प्रेरणा है। मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने भी सहनशीलता का महत्व स्पष्ट करते हुए कहा कि यह केवल मौन रहना नहीं, बल्कि परिस्थितियों में स्थिर रहकर आगे बढ़ने का साहस है। अपेक्स हाउसहोल्ड बिज़नेस मॉडल की संयोजिका बिंदु रायसोनी ने विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर एक रोचक वर्ग पहेली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समिति सदस्य साधना धोका, प्रेमा रांका, शिखा तातेड़ और सूर्यकला सियाल सहित करीब 80 सदस्याएं उपस्थित थीं।

अणुव्रत समिति ने मनाया पर्यावरण दिवस, लगाए पौधे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के अणुव्रत समिति के तत्वावधान में अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तहत पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सोनडेकुप्पा डेयरी कॉपरेशन मेंबर के सोम्मना की अध्यक्षता में 100 पौधेरोपण किए। समिति के मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सुरेश चावत ने आम, सुपारी, नारियल, लौंग, इलायची के पौधे वितरित किए। इस अवसर पर मुख्य वक्ता मल्लेश्वरम नेत्र चिकित्सालय के नेत्र विशेषज्ञ डॉ.दयानंद मूर्ति ने पर्यावरण को शुद्ध रखने एवं जल ही जीवन के बारे में विशेष वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में दासरहल्ली के प्रकाश गांधी और कैलाश बोहरा उपस्थित थे।

एसपी रोड हब्बा में दिख रहा है ग्राहकों का उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एसपी रोड हब्बा-2025 जारी है। हब्बा के संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि सदस्यों को अपना व्यवसाय बढ़ाने हेतु आयोजित इस हब्बा में ग्राहकों को लकी ड्रा जीतकर दशहरा दीपावली का एक उपहार प्रदान करने का बड़ा अवसर प्रदान किया है।

हब्बा के मुख्य प्रायोजक सैनडिस्क कम्पनी के साथ सह प्रायोजक कैनन और जेबरा कम्पनियां हैं और इसके साथ ही एसपी रोड के बारह सौ से अधिक प्रतिष्ठान इस हब्बा में बहुत ही उत्साह पूर्वक भाग ले रहे हैं।

हब्बा में गिफ्टस में एक टू व्हीलर गाड़ी, लैपटॉप, होम थिएटर, पार्टी स्पीकर के साथ वायरलैस स्पीकर माइक, स्मार्ट वाच, ईयर बड्स आदि वस्तुएं शामिल हैं।शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उदय कुमार की ओर से मैजिक शो और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी हुआ।

'संस्कृति और सभ्यता के रक्षक थे उपाध्यायश्री गुणवंतचन्द्र'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में उपाध्यायश्री गुणवंतचंद्रजी के जयंती प्रसंग पर साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि जब मानस पटल शुद्ध होता है तभी मन में मुमुक्षु भाव आते हैं और धर्म आचरण में टिकता है। उपाध्याय मुनि गुणवंत ने संसार और परिवार के परिषह को निकट से देखा और जीवन को अध्यात्म की ओर मोड़ दिया। सिंह की तरह संयम लिया और सिंह की तरह ही पाला। इस अवसर पर उपस्थित गुरु दर्शन यात्रा के दर्शनार्थियों को संबोधित करते हुए साध्वीश्री वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि उपाध्याय मुनि गुणवंत संस्कृति और सभ्यता के रक्षक थे। पश्चिमी फूहड़ वस्त्रों से उन्हें बेहद चिढ़ थी। उनके प्रवचनों में आत्मा प्रधान होती थी। जीवन भर मुनि गुणवंत ने अनेक तप किए और लेट कर शयन नही किया। वे कर्मठ अध्यवसायी अप्रमादी, आद्यात्म योगी संत थे। ज्ञान और क्रिया की मिसाल वे चौथे आरे के संत समान थे। रसना विजेता ने अपने चरित्र सौरभ से अनेक उपासकों के जीवन में सही मोड़ दिया था। मैसूर संघ व होसकोटे संघ के सदस्यों ने भी साध्वी वृंद के दर्शन कर शहर पधारने का निवेदन किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने गुरु दर्शन यात्रा को अच्छी पहल बताते हुए सामायिक को प्रधानता देने पर जोर दिया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com